www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-28 • पृष्ठ-8 • मूल्य-01 रूपये • शुक्रवार 3 अक्टूबर 2025 • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • मुख्य सम्पादक : अर्शदीप सिंह समर

बारिश ने बिगाड़ी दशहरे की धूम, कई जगह पुतला दहन टला

» राष्ट्रपति ने लवकुश रामलीला में रावण दहन किया

नई दिल्ली। देशभर में गुरुवार को दशहरा पर्व मनाया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दिल्ली में श्री धार्मिक लीला समिति की लवकुश रामलीला में शामिल हुईं। उन्होंने तीर चलाकर रावण का दहन किया। रामलीला में पहुंचे लोग बारिश से बचने के लिए कुर्सियों, होर्डिंग्स और चादरों के नीचे खड़े हुए।बिहार के पटना में स्थित गांधी मैदान में बिहार के सबसे ऊंचे 80 फीट के रावण का दहन किया गया। यहां बारिश के कारण रावण का सिर टूट गया था। गुजरात, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश समेत कई राज्यों में दशहरे पर रावण का दहन हुआ।पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली की श्री रामलीला कमेटी इंद्रप्रस्थ में शामिल होंगे। यहां 72 फीट ऊंचे रावण का दहन होगा। यहां पर 20 हजार जवान तैनात किए गए हैं। राजस्थान के कोटा में विश्व के सबसे ऊंचे 221 फीट के रावण का दहन किया जाएगा।इधर, हिमाचल प्रदेश के मनाली में हिडिम्बा देवी की विदाई के साथ ही कुल्लू घाटी में अंतर्राष्ट्रीय दशहरा उत्सव की शुरुआत हुई। शोभायात्रा के ढालपुर मैदान पहुंचते ही दशहरा उत्सव शुरू हुआ, जो 7 दिन तक चलेगा।

दिल्ली में बारिश के कारण पीएम मोदी का समारोह रद्द : राजधानी दिल्ली में गुरुवार को अचानक हुई तेज बारिश ने दशहरे के मौके पर आयोजित कार्यक्रमों पर असर डाला। इसी कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का प्रस्तावित समारोह भी रद्द करना पड़ा।जानकारी के अनुसार, पीएम मोदी दिल्ली में दशहरा पर्व के मौके पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे। आयोजन स्थल पर सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई थीं, लेकिन दोपहर में हुई भारी बारिश से पंडाल, मंच और बैठने की व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो गई। मैदान में पानी भर जाने और तकनीकी खामियों के चलते प्रशासन को समारोह रद्द करने का निर्णय लेना पड़ा।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वे प्रधानमंत्री को देखने और उनके संबोधन को सुनने के लिए सुबह से ही स्थल पर पहुंच गए थे, लेकिन बारिश की वजह से उन्हें निराश होकर लौटना पड़ा। आयोजन समिति ने बताया कि खराब मौसम और सुरक्षा कारणों से यह कदम उठाना पड़ा।

बारिश के चलते न केवल पीएम मोदी का कार्यक्रम बल्कि दिल्ली और आसपास के कई स्थानों पर रावण दहन और दशहरे से जुड़े आयोजन भी प्रभावित हुए। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है।इस अप्रत्याशित बारिश ने जहां राजधानी के दशहरा आयोजनों की रौनक फीकी कर दी, वहीं प्रधानमंत्री का कार्यक्रम रद्द होने से श्रद्धालु और समर्थक निराश दिखाई दिए।

शस्त्र पूजा धर्म और न्याय की रक्षा का संकल्प : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गुरुवार को दशहरा के मौके पर गुजरात दौरे पर हैं। उन्होंने कच्छ जिले के भुज में एक मिलिट्री बेस पर शस्त्र पूजा से पहले सैनिकों को संबोधित किया। रक्षा मंत्री ने शस्त्र पूजा का महत्व बताते हुए कहाकी शस्त्रों के प्रति समर्पण, असुर शक्तियों पर दैवी शक्ति की विजय की महानता को दर्शाता है। इसलिए, जब हम किसी शस्त्र की पूजा करते हैं, तो हम इस शक्ति का इस्तेमाल केवल धर्म और न्याय की रक्षा के लिए करने का संकल्प भी लेते हैं।उन्होंने कहाकी भगवान राम ने जब रावण से युद्ध किया, तो उनका मकसद जीतना नहीं था। वे धर्म की स्थापना करना चाहते थे। शस्त्रों की पूजा इस बात का प्रतीक है कि भारत न सिर्फ शस्त्रों की पूजा करता है, बल्कि समय आने पर उनका इस्तेमाल करना भी जानता है।

इस दौरान राजनाथ सिंह ने सर क्रीक रीजन में सीमा विवाद को लेकर पाकिस्तान को चेतावनी दी।रक्षा मंत्री ने कहाआजादी के 78 साल बाद भी सर क्रीक में सीमा को लेकर विवाद खड़ा किया जाता है। भारत ने कई बार बातचीत के जरिए इसे सुलझाने की कोशिश की है, लेकिन पाकिस्तान की नीयत में खोट है, उसकी नीयत साफ नहीं है।

राजनाथ सिंह ने कहाकी जिस तरह से हाल में पाकिस्तान ने सर क्रीक से सटे इलाकों में अपना मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर बढ़ाया है, वह उसकी नीयत बताता है। अगर सर क्रीक क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से कोई हिमाकत की गई, तो उसे ऐसा करारा जवाब मिलेगा कि इतिहास और भूगोल दोनों बदल जाएंगे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान लेह से सर क्रीक तक, भारत के डिफेंस सिस्टम में सेंध लगाने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो सका। वहीं, भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी एयर डिफेंस सिस्टम को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया।

उन्होंने कहा- भारत की सेना ने दुनिया को यह संदेश दिया कि वह जब चाहे और जहां चाहे पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचा सकती है। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर में अपने सभी मकसद को सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। हालांकि, सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ उसकी लड़ाई जारी रहेगी।

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कृषि संसदीय समिति के अध्यक्ष बने

जालंधर, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और जालंधर से कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी को फिर से खेतीबाड़ी, पशुपालन और फूड प्रोसेसिंग से जुड़ी स्थायी संसदीय समिति का अध्यक्ष चुना गया है। इस समिति में लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्य हैं। इनमें पंजाब से सांसद हरसिमरत कौर बादल भी शामिल हैं।

चन्नी पहले भी इस समिति के अध्यक्ष रह चुके हैं। किसानों और खेत मजदूरों के हक में दी गई उनकी रिपोर्टों और सिफारिशों की वजह से उन्हें दूसरी बार यह जिम्मेदारी मिली है। इससे पहले उन्होंने एम.एस.पी. की कानूनी गारंटी, पराली प्रबंधन पर मुआवजा और किसान निधि योजना में खेत मजदूरों को शामिल करने की सिफारिश की थी।राजनीतिक हलकों में उनकी नई नियुक्ति को अहम माना जा रहा है। राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस समिति का अध्यक्ष चन्नी को चुने जाने से अब केंद्र सरकार खेती से जुड़े फैसलों में एकतरफा कदम नहीं उठा पाएगी, क्योंकि चन्नी सीधा किसानों और पंजाब की समस्याओं को समिति में उठा सकेंगे।

राजवीर जवंदा की हालत अब भी नाजुक

पिंजौर। हरियाणा के पिंजौर में हुए बाइक एक्सीडेंट के बाद गंभीर रूप से घायल पंजाबी सिंगर राजवीर जवंदा की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। वह 6 दिन से मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती हैं और लगातार वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं।डॉक्टरों के मुताबिक, राजवीर की न्यूरोलॉजिकल यानी दिमागी स्थिति में अब तक कोई खास सुधार नहीं आया है और वह क्रिटिकल केयर और न्यूरोसाइंस टीम की कड़ी निगरानी में लाइफ सपोर्ट पर हैं।

देशभर में महात्मा गांधी और शास्त्री जयंती पर श्रद्धांजलि

» पीएम मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू ने किया नमन

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): देशभर में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 156वीं और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की 121वीं जयंती मनाई गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के राजघाट पर गांधीजी और विजय घाट पर शास्त्रीजी को पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और विजय घाट पर शास्त्रीजी को नमन किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन भी शास्त्रीजी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

विकसित भारत के निर्माण के लिए गांधी के बताए मार्ग पर चलेंगे : प्रधानमंत्री मोदी : प्रधानमंत्री मोदी ने गांधी जयंती पर X पर लिखा कि गांधीजी के आदर्शों ने मानव इतिहास की दिशा बदल दी। उन्होंने दिखाया कि साहस और सादगी बड़े बदलाव के औजार हो सकते हैं। सेवा और करुणा को उन्होंने समाज सशक्तिकरण का माध्यम बताया। पीएम मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के अभियान में हम बापू के दिखाए मार्ग पर चलते रहेंगे।शास्त्रीजी को याद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि वे एक असाधारण राजनेता थे जिनकी ईमानदारी और दृढ़ संकल्प ने भारत को सशक्त बनाया। उनके नारे 'जय जवान, जय किसान' ने देश में देशभक्ति की लहर जगाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि शास्त्रीजी हमें आत्मनिर्भर भारत की ओर निरंतर प्रेरित करते हैं।

सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश आज भी प्रासंगिक : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू : राष्ट्रपति मुर्मू ने गांधीजी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने सत्य, अहिंसा, शांति और सहिष्णुता का संदेश दिया। छुआछूत, अशिक्षा, नशा और सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित किया। राष्ट्रपति ने देशवासियों से गांधीजी के मार्ग पर चलने और स्वच्छ, सक्षम, सशक्त और समृद्ध भारत बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

पंचकूला में 181 फीट ऊंचे रावण दहन के साथ धूमधाम से मनाया गया दशहरा

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा में दशहरा पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। पंचकूला में इस बार प्रदेश का सबसे ऊंचा 181 फीट का रावण का पुतला दहन किया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यहां दशहरा कार्यक्रम में शिरकत की और लोगों को विजयादशमी की शुभकामनाएं दीं।

शालीमार ग्राउंड में आयोजित इस भव्य दशहरा महोत्सव का आयोजन श्री माता मनसा देवी चैरिटेबल ट्रस्ट दशहरा कमेटी और आदर्श रामलीला ड्रामाटिक क्लब ने मिलकर किया। विशेष बात यह रही कि लगभग एक दशक बाद पहली बार कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों का भी दहन किया गया। दोनों पुतले 100-100 फीट ऊंचे थे। तीनों पुतलों की कुल निर्माण लागत करीब 18 लाख रही।

पानीपत में भी रावण दहन के भव्य आयोजन हुए। यहां 6 स्थानों पर रावण के पुतले जलाए गए। सेक्टर 25 में 100 फीट ऊंचा, सेक्टर 13 में 80 फीट, देवी मंदिर में 65 फीट, शिवाजी स्टेडियम में 70 फीट और सेक्टर 24 में 95 फीट ऊंचे रावण के पुतले दहन किए गए।

दशहरा पर्व को लोगों ने बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक के रूप में मनाया। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इसी दिन भगवान श्री राम ने रावण का वध किया था। पुतला दहन के जरिए समाज को बुराई के अंत और सत्य की विजय का संदेश दिया गया।

इस विशाल आयोजन को देखने के लिए ट्राइसिटी और आसपास के क्षेत्रों से हजारों लोग पंचकूला और पानीपत पहुंचे और उत्सव का आनंद लिया।

दशहरे के अवसर पर अमन अरोड़ा द्वारा सुनामवासियों को बड़ी सौगात

सुनाम, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक त्योहार दशहरे के अवसर पर कैबिनेट मंत्री और आम आदमी पार्टी, पंजाब के अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने इस त्योहार की बधाई देते हुए शहीद ऊधम सिंह की धरती सुनाम ऊधम सिंह वाला के लोगों को जल आपूर्ति प्रोजेक्ट के रूप में बड़ी सौगात दी। शहर में पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान करने हेतु कैबिनेट मंत्री ने सीतासर रोड, सुनाम में लगभग 15.22 करोड़ रुपये की लागत वाले जल आपूर्ति प्रोजेक्ट की नींव रखी, जिसके तहत ट्यूबवेल और 2 लाख लीटर की टंकी का निर्माण, 33,635 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाने तथा 1472 घरों, जिनके पास अब तक पानी के कनेक्शन नहीं थे, को कनेक्शन दिए जाएंगे। यह प्रोजेक्ट 01 वर्ष में पूरा कर दिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट के तहत टिब्बी बस्ती में 250 कनेक्शन, नमोल रोड पर 50 कनेक्शन, गुजा पीर पर 100, साई कॉलोनी 100, मानसा रोड 100, जगतपुरा रोड 150, प्रीत नगर कच्चा पहा 200, पटियाला रोड 150, बिगड़वाल रोड 50, आईटीआई के पिछले हिस्से में 50, छठा रोड 22, भाग सिंह वाला रोड 50, नीलोवाल रोड 50 कनेक्शन होंगे। इसके अलावा ट्रॉली यूनियन रोड, पीरांवाला गेट, एक्सचेंज के पास, नगर परिषद कार्यालय के पास तथा शहर के अन्य छोटे हिस्सों में लगभग 100 कनेक्शन दिए जाएंगे। इस प्रोजेक्ट की नींव रखने और कार्य प्रारंभ करवाने संबंधी आयोजित समारोह के दौरान संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री अरोड़ा ने कहा कि पंजाब सरकार जनता की समस्याओं के समाधान के लिए वचनबद्ध है और किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरती जा रही। इसी क्रम में यह प्रोजेक्ट लाया गया है, जिसे समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा तथा गुणवत्ता के मामले में किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। अरोड़ा ने कहा कि सुनाम शहर को आदर्श शहर बनाने के लिए दिन-रात कार्य किया जा रहा है, जिसके तहत इस शहर के विकास पर लगभग 150 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

केंद्र ने राज्यों को 1.01 लाख करोड़ रुपये के कर वितरण की अतिरिक्त किश्त जारी की

केंद्र सरकार ने आगामी त्योहारी सीजन के मद्देनजर और राज्यों को 1,01,603 करोड़ रुपये का कर हस्तांतरित किया है। केंद्र सरकार ने 1 अक्टूबर, 2025 को राज्य सरकारों को 1,01,603 करोड़ का अतिरिक्त कर हस्तांतरण जारी किया है, जो 10 अक्टूबर 2025 को जारी किए जाने वाले सामान्य मासिक हस्तांतरण के अतिरिक्त है। मंत्रालय ने बताया कि राज्यों को यह अग्रिम किस्त पूंजीगत व्यय में तेजी लाने और उनके विकास और कल्याण संबंधी व्यय को वित्तपोषित करने में सक्षम बनाने के लिए जारी की गई है।

वित्त मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में कहा कि यह अतिरिक्त आवंटन 81,735 करोड़ रुपये के सामान्य मासिक कर आवंटन के अतिरिक्त है। मासिक कर आवंटन 10 अक्टूबर को जारी होना है। मंत्रालय ने कहा

कि यह कदम सहकारी संघवाद और 2047 तक 'विकसित भारत' बनने के लक्ष्य के अनुरूप है। केंद्र द्वारा एकत्रित कर का 41 प्रतिशत हिस्सा वित्त वर्ष के दौरान विभिन्न किस्तों में राज्यों को आवंटित किया जाता है।

यूपी को मिले सबसे ज्यादा रुपये

देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 18,227 करोड़ रुपए मिले, इसके बाद बिहार (10,219 करोड़ रुपए), मध्य प्रदेश (7,976 करोड़ रुपए), पश्चिम बंगाल (7,644 करोड़ रुपए), महाराष्ट्र (6,418 करोड़ रुपए) और राजस्थान (6,123 करोड़ रुपए) का स्थान रहा।आंध्र प्रदेश (4,112 करोड़ रुपए), ओडिशा (4,601 करोड़ रुपए), तमिलनाडु (4,144 करोड़ रुपए), कर्नाटक (3,705 करोड़ रुपए) और झारखंड (3,360 करोड़ रुपए) को भी महत्वपूर्ण अतिरिक्त कर हस्तांतरण प्राप्त हुआ।पंजाबको 1836 करोड़रुपयेमिले।

इससे पहले, वित्त मंत्रालय ने कहा था कि केंद्र ने अप्रैल-जुलाई के दौरान करों में हिस्सेदारी के रूप में राज्य सरकारों को 4,28,544 करोड़ रुपए हस्तांतरित किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 61,914 करोड़ रुपए अधिक है।

इस बीच, केंद्र सरकार को इस अवधि के दौरान 10,95,209 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जो 2025-26 के बजट अनुमानों (बीई) का 31.3 प्रतिशत है।

इसमें से 6,61,812 करोड़ रुपए केंद्र को प्राप्त शुद्ध कर राजस्व, 4,03,608 करोड़ रुपए गैर-कर राजस्व और 29,789 करोड़ रुपए गैर-ऋण पूंजीगत प्राप्तियां हैं। इस अवधि के दौरान केंद्र सरकार द्वारा किया गया कुल व्यय 15,63,625 करोड़ रुपए था, जो 2025-26 के बजट अनुमानों का 30.9 प्रतिशत है।

इस कुल राशि में से 12,16,699 करोड़ रुपए राजस्व खाते में और 3,46,926 करोड़ रुपए पूंजी खाते में हैं, जो बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर खर्च किए जाते हैं। कुल राजस्व व्यय में ब्याज भुगतान का योगदान 4,46,690 करोड़ रुपए रहा, जबकि प्रमुख सब्सिडी का योगदान 1,13,592 करोड़ रुपए रहा।

एनके शर्मा के सहयोग से उत्तराखंड पर्वतीय सभा ने बाढ़ पीड़ितों को दिया डीजल

» ककराली समेत कई गांवों में जमीन को समतल करने का काम शुरु

जीरकपुर, 2 (गुरशरण सिंह): शिरोमणि अकाली दल के कोषाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक एनके शर्मा के सहयोग से उत्तरांखड पर्वतीय सभा बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आई है। जिसके चलते सभा की तरफ से गांव ककराली में किसानों की जमीन को समतल करने के लिए 600 लीटर डीजल दिया गया है। एन के शर्मा ने ककराली गांव में बाढ़ से नष्ट हुई जमीनों का दौरा करने के बाद कहा कि इससे पहले भी कई संस्थाओं की तरफ से बाढ़ पीड़ितों की अलग-अलग तरीके से मदद की गई है। शर्मा ने बताया कि शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल के निर्देश पर अकाली दल के सभी कार्यकर्ता बाढ़ पीड़ितों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि डेराबस्सी हलके में बाढ़ के दौरान दो व्यक्तियों की मौत के बाद उनके आश्रितों को 50-50 हजार रुपये की आर्थिक मदद की है। उन्होंने बताया कि अमलाला में घग्गर नदी के पिल्लर टूटने लगे थे जिसके चलते वहां 80 हजार रुपये की तार भेजी गई है ताकि हादसों से बचाव हो सके। उन्होंने बताया कि इब्राहीमपुर व अमलाला में जमीनें सूख चुकी हैं। उन जमीनों को समतल करने के लिए अकाली दल के कार्यकर्ता लगातार काम कर रहे हैं। एन के शर्मा ने कहा कि बाढ़ के दौरान अकाली दल के कार्यकर्ता जहां प्रभावितों के साथ दिन-रात खड़े रहे वहीं पंजाब सरकार का कोई भी नुमंइदा नजर नहीं आया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार बिना किसी देरी के किसानों के खातों में मुआवजे की राशि को ट्रांसफर करे और जिन लोगों के मकान ढहे हैं उनके मकान निर्माण में मदद करे। इस अवसरपर राजिंद्र सिंह ईस्सापुर, मनविंद्र सिंह टोनी राणा, उत्तराखंड पर्वतीय सभा के सतिंद्र सिंह, दीपक नेगी,सोहन बुटोला समेत कई गणमान्य मौजूद थे।

यूएई के साथ कारोबार को बढ़ावा देगा पीएचडीसीसीआई

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुगम बनाने के लिए सत्र का आयोजन

चंडीगढ़, 2 (गुरशरण सिंह):अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भारतीय उद्यमियों के लिए सुगम बनाने के उद्देश्य से पीएचडी चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री की तरफ से 'यूएई में व्यावसायिक अवसरों की खोज-इंडिया मार्ट दुबई-भारत का विश्व प्रवेश द्वार' पर एक विशेष सैशन और बी-2-बी बैठक का आयोजन किया गया। पीएचडीसीसीआई के अंतरराष्ट्रीय मामलों के निदेशक नीरज ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुगम बनाने में पीएचडीसीसीआई की भूमिका पर जोर दिया और भारतीय व्यवसायों के लिए यूएई जैसे उभरते वैश्विक बाज़ारों की खोज के महत्व पर प्रकाश डाला। पीएचडीसीसीआई चंडीगढ़ के सह-अध्यक्ष सुव्रत खन्ना ने भारतीय निर्यातकों के लिए भारत मार्ट जैसी पहलों की रणनीतिक प्रासंगिकता पर ज़ोर दिया और उद्योग जगत के सदस्यों को अपनी वैश्विक पहुंच का विस्तार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। डीपी वर्ल्ड के जेएएफजेडए के बिजनेस डेवलपमेंट, ट्रेड डेवलपमेंट एवं लॉजिस्टिक्स निदेशक अमितेश मिश्रा ने दुबई में डीपी वर्ल्ड की व्यापक गतिविधियों पर जानकारी दी। मिश्रा ने भारत मार्ट पर अपने विचार साझा किए। डीपी वर्ल्ड के जेएएफजेडए के वरिष्ठ प्रबंधक डियोन डिमेलो ने डीपी वर्ल्ड के माध्यम से व्यापार सुगमता के व्यावहारिक पहलुओं पर बात की, जिसमें सहायक सेवाएं, सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक्स और इनक्यूबेशन कार्यक्रम शामिल हैं। पीएचडीसीसीआई की वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक सुश्री भारती सूद ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के प्रति उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए आभार व्यक्त किया और वैश्विक व्यापार संबंधों के विस्तार में भारतीय उद्योग का समर्थन करने के लिए पीएचडीसीसीआई की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस सत्र में पीएचडीसीसीआई के पंजाब राज्य चैप्टर के अध्यक्ष करण गिल्होत्रा, सुप्रीत सिंह, संयोजक, क्षेत्रीय साइबर सुरक्षा एवं एआई समिति, पीएचडीसीसीआई और तरुण मल्होत्रा, संयोजक, क्षेत्रीय साइबर सुरक्षा एवं एआई समिति ने इस इंटरैक्टिव सत्र में क्षेत्र के विभिन्न उद्योग सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई, जिससे नेटवर्किंग, ज्ञान साझा करने और यूएई के साथ व्यापार के अवसरों की खोज के लिए एक मूल्यवान मंच उपलब्ध हुआ।

दसवीं का पावन पर्व श्रद्धाके साथ मनाया

मोहाली, 02 अक्टूबर (गुरशरण सिंह) : निकटवर्ती गांव सोहाना स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा सिंह शहीदां में दसवीं का पावन पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया। सुबह 9 बजे श्री सहज पाठ साहिब जी का भोग डाले जाने के बाद दिनभर धार्मिक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाई धन्ना सिंह जी (नवांशहर) के अंतरराष्ट्रीय ढाडी जत्थे ने, भाई जुझार सिंह हजूरी रागी श्री दरबार साहिब, अमृतसर ने रसभीले कीर्तन द्वारा संगत को निहालकिया।गुरुद्वारा नाडा साहिब से आए भाई गगनदीप सिंह ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी में दर्ज बाणी का महत्व समझाया। इसके अतिरिक्त भाई गुरतेज सिंह (पटियाला), भाई जसपाल सिंह (लुधियाना), भाई करणवीर सिंह (पटियाला), भाई यशकरण सिंह, मित्र प्यारे कुनु कीर्तनी जत्था और बीबी रजनीश कौर के जत्थे सहित गुरुद्वारा सिंह शहीदां के स्थानीय जत्थों—भाई इंद्रजीत सिंह, भाई हरबख्श सिंह, भाई गुरमीत सिंह, भाई जरनैल सिंह और भाई जसविंदर सिंह—ने कथा, कीर्तन, कविश्री और गुरमत वाणी के माध्यम से संगत को निहाल किया। सभी जत्थों को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा साहिब के पवित्र सरोवर में डुबकी लगाई। साथ ही, विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों की जांच की गई और दवाइयाँ दी गईं। इस अवसर पर आयोजित अमृत संचार में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने खंडे बाटे का अमृत छककर गुरु वाले बने।दिनभर गुरु का लंगर निरंतर चलता रहा। प्रबंधक कमेटी के प्रवक्ता ने बताया कि संगत की सुविधा के लिए सभी श्रद्धालुओं के सहयोग से 7 मंजिला कार पार्किंग और दीवान हॉल का निर्माण कार्य सेवा रूप में जारी है।

सोहाना आई हॉस्पिटल ने किया ट्राईसिटी के पहले मायोपिया मैनेजमेंट क्लिनिक का उद्घाटन

» बच्चों की नजर बचाने की दिशा में बड़ा कदम

मोहाली, 2 अक्टूबर (सुरिंदर सिंह): क्या आपका बच्चा भी लगातार स्क्रीन देख रहा है और उसके चश्मे का नंबर तेज़ी से बढ़ रहा है? अगर हाँ, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। तीन दशकों से अधिक समय से नेत्र देखभाल में अग्रणी सोहाना आई हॉस्पिटल, मोहाली, ने ट्राईसिटी के लिए एक ऐतिहासिक पहल की है। अस्पताल ने यहाँ के पहले समर्पित 'मायोपिया मैनेजमेंट क्लिनिक' का उद्घाटन किया है, जिसके साथ ही इसने बच्चों और किशोरों में तेज़ी से बढ़ रहे नज़दीकी दृष्टि दोष (मायोपिया) की समस्या से लड़ने की ज़िम्मेदारी उठाई है। 25 लाख से अधिक सफल सर्जरी और 200+ सीनियर कंसल्टेंट्स की विशेषज्ञ टीम के साथ, सोहाना हॉस्पिटल हमेशा उत्तरी भारत में उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल का प्रतीक रहा है। लेकिन, विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के बाद मायोपिया के बढ़ते मामलों को देखते हुए, अस्पताल ने इस नई और अत्यंत ज़रूरी सेवा की शुरुआत की है।

केवल चश्मा नहीं, अब नज़र को बढ़ने से रोकने का इलाज : क्लिनिक का मुख्य उद्देश्य बच्चों में दृष्टि दोष को केवल चश्मे का नंबर 'बदलना' नहीं, बल्कि उसे 'बढ़ने से रोकना' है। यहाँ बच्चों की नज़र को स्थिर करने के लिए अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक और उपचार सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। सोहाना हॉस्पिटल की सी.ओ.ओ. और सीनियर सर्जन, डॉ. अमनप्रीत कौर ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में, खासकर कोविड महामारी के बाद, बच्चों में मायोपिया तेजी से बढ़ी है। मोबाइल फोन, ऑनलाइन क्लास और अधिक स्क्रीन टाइम ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है।

डॉ. कौर ने ज़ोर देते हुए कहा मायोपिया केवल एक साधारण नुस्खा नहीं है; यह एक गंभीर बीमारी है जो बड़े होकर आँखों को और नुकसान पहुँचा सकती है। हमारा नया क्लिनिक, विशेषज्ञ डॉक्टरों, थेरेपिस्टों और आधुनिक तकनीकों की एक समर्पित टीम के साथ, इस समस्या को जड़ से रोकेगा। इस ऐतिहासिक पहल पर बोलते हुए, ट्रस्ट के सचिव सरदार गुरमीत सिंह ने कहा सोहाना हॉस्पिटल ने हमेशा जनता की ज़रूरतों को प्राथमिकता दी है। हमने महसूस किया कि इस मायोपिया क्लिनिक की कितनी ज़रूरत है। यह क्लिनिक नवीनतम उपकरणों से लैस है, जो हमारे बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करेगा। यह विशेष क्लिनिक हर हफ्ते मंगलवार, गुरुवार और शुक्रवार को शाम 3 बजे से 5 बजे तक खुला रहेगा। प्रतिदिन 8000 मरीज़ों की देखभाल करने वाला सोहाना हॉस्पिटल इस नए कदम से उत्तरी भारत में नेत्र स्वास्थ्य के मानक को एक नई ऊँचाई पर ले गया है।

केंद्र पंजाब के साथ अपना रहा है सौतेली माँ जैसा व्यवहार : हरसुखिंदर सिंह बब्बी बादल

मोहाली, 2 अक्टूबर (परदीप सिंह हैप्पी): आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरसुखिंदर सिंह बब्बी बादल ने -दा समर टीवी- से बात करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हमेशा पंजाब के साथ सौतेली माँ जैसा व्यवहार किया है और अब जब पंजाब एक बड़ी आपदा से जूझ रहा है, तब भी केंद्र सरकार राहत कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि जारी नहीं कर रही है। हरसुखिंदर सिंह बब्बी बादल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और अन्य को बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत कार्यों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के लिए लंबा इंतज़ार करना पड़ा और उन्हें देश के गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए कहा गया, लेकिन जब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, जो भाजपा से जुड़े हैं, ने मिलने का समय माँगा, तो उन्हें प्रधानमंत्री द्वारा तुरंत बैठक का समय दे दिया गया था, बब्बी बादल ने आगे कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी सरकार रंगला पंजाब अभियान के तहत राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए अपने स्तर पर धनराशि उपलब्ध करा रही है ताकि बाढ़ प्रभावित लोगों का जीवन जल्द से जल्द पटरी पर लौट सके, हरसुखिंदर सिंह बब्बी बादल ने आगे कहा कि पंजाब सरकार ने राज्य के लोगों के लिए 10 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा योजना की विधिवत घोषणा की है, यह घोषणा अपने आप में देश की पहली ऐतिहासिक घोषणा है कि किसी सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए ऐसी घोषणा की है, इसके लिए दो जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पंजीकरण का काम शुरू किया गया है। जिसके सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं, बॉबी बादल ने बताया कि लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पंजाब के विभिन्न शहरों में 800 से अधिक मोहल्ला क्लीनिक खोले गए हैं, जिनसे हजारों मरीज अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच और जरूरी टेस्ट करवा रहे हैं इसके साथ ही, पंजाब में शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने के लिए बड़े पैमाने पर काम हुआ है और यह लगातार जारी है। उन्होंने कहा कि पंजाब की संपर्क सड़कों, जो लंबे समय से खस्ताहाल थीं, की मुरम्मत का प्रोजेक्ट लागू हो चुका है और बड़े पैमाने पर संपर्क सड़कों की मुरम्मत का काम भी शुरू हो गया है। दा समर टीवी से बातचीत करते हुए बब्बी बादल ने कहा कि आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान व अन्य लोगों ने विधानसभा चुनावों में जनता के सामने जो वादे और गारंटियाँ दी थीं, उन पर एक-एक करके अमल किया गया है और अब ताजा घोषणा के बाद, भगवंत सिंह मान की सरकार द्वारा महिलाओं के लिए 1100 रुपये की योजना का भी ऐलान किया गया है। इसे भी जल्द ही लागू किया जाएगा।

पंजाब राज्य व्यापारी आयोग के सदस्य विनीत वर्मा ने त्योहारों के मौसम में व्यापारियों के सामने आने वाली समस्याओं के संबंध में उपायुक्त कोमल मित्तल और नगर निगम मोहाली के आयुक्त के समक्ष चिंताएं रखी

मोहाली, 2 अक्टूबर (हरजीत मथारू) : पंजाब राज्य व्यापारी आयोग के सदस्य विनीत वर्मा ने जिला एस ए एस नगर (मोहाली) के व्यापारियों और बाज़ार संघों, विशेष रूप से चल रहे त्योहारों के मौसम के दौरान, के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों के संबंध में उपायुक्त कोमल मित्तल और नगर निगम मोहाली के आयुक्त के समक्ष अपनी चिंता व्यक्त की। विनीत वर्मा ने कहा कि उन्हें व्यापार मंडलों और बाज़ार संघों से कई शिकायतें मिली हैं, जिनमें बताया गया है कि अस्थायी विक्रेताओं (फड़ी) को बाज़ार क्षेत्रों में स्थापित शोरूम, बूथों और दुकानों के ठीक सामने स्टॉल लगाने की अनुमति दी जा रही है और वे पार्किंग की जगह पर कब्जा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रथा के कारण गंभीर ट्रैफ़िक जाम, जनता के लिए पार्किंग की कमी और वैध व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है, क्योंकि उनका अधिकांश वार्षिक व्यवसाय राजस्व त्योहारों के मौसम में अर्जित होता है। उन्होंने आगे कहा कि कुछ बाज़ारों (मोहाली के फेज़ 2 सहित) के पास स्थित आरएमसी के कूड़े के ढेरों की रोज़ाना सफाई नहीं की जा रही है, जिससे दुर्गंध और अस्वास्थ्यकर स्थिति पैदा हो रही है, जिससे ग्राहक बाज़ारों में आने से कतराते हैं। उन्होंने अधिकारियों से रोज़ाना कूड़ा संग्रहण सुनिश्चित करने या कूड़े के ढेरों को व्यावसायिक क्षेत्रों से दूर स्थानांतरित करने का आग्रह किया। एक और चिंता जताते हुए, वर्मा ने कहा कि प्रतिष्ठित ब्रांड नामों के तहत घटिया सामान अस्थायी स्टॉलों पर बहुत कम कीमतों पर बेचा जा रहा है, जिससे न केवल कॉपीराइट संबंधी समस्याएँ और अनुचित प्रतिस्पर्धा पैदा होती है, बल्कि शोरूम मालिकों, जो इन ब्रांडों के अधिकृत फ्रैंचाइज़ी हैं, के निवेश पर भी असर पड़ता है। व्यापारी आयोग के सदस्य ने बाज़ारों में नागरिक सुधारों की तत्काल आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया, जिसमें क्षतिग्रस्त फुटपाथों और सड़कों की मरम्मत और पुनः कालीन बिछाना, पार्किंग क्षेत्रों में नए सड़क चिह्नांकन, आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की स्थापना और खरीदारों की सुविधा के लिए बेंचों का प्रावधान शामिल है। वर्मा ने ज़िला प्रशासन और मोहाली नगर निगम से पार्किंग क्षेत्रों में विक्रेताओं के स्टॉल लगाने पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाने का आग्रह किया। इसके बजाय, उन्होंने सुझाव दिया कि अस्थायी विक्रेताओं के लिए पर्याप्त पार्किंग के साथ एक निर्दिष्ट वेंडिंग ज़ोन बनाया जाए। त्योहारों के मौसम में बाज़ारों में केवल गरीब, सड़क किनारे दुकानदारों, जैसे दीये बेचने वालों को ही आने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि अगर कोई दुकानदार अस्थायी स्टॉल लगाने की अनुमति मांगता है, तो विवाद से बचने के लिए पड़ोसी व्यापारियों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त करने के बाद ही उसकी अपनी दुकान के सामने अनुमति जारी की जानी चाहिए। विनीत वर्मा ने दोहराया कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान के नेतृत्व में, पंजाब राज्य व्यापारी आयोग पूरे पंजाब में व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए एक स्वस्थ, निष्पक्ष और विकासोन्मुखी कारोबारी माहौल सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बाल पोर्नोग्राफी वीडियो अपलोड करने पर केस दर्ज

मोहाली, 2 अक्तूबर (हरजीत मठारू) : राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) पर बाल पोर्नोग्राफी वीडियो अपलोड करने से संबंधित शिकायत मिलने के बाद थाना साइबर क्राइम पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ आईटी एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। यह मामला इंस्पेक्टर नवदीप कौर की शिकायत पर लुधियाना राजगुरु नगर के रहने वाले जोगिंदरपाल के खंलाफ दर्ज किया गया है। साइबर पुलिस को राष्ट्रीय गुमशुदा एवं शोषित 'बच्चों के लिए केंद्र (एनसीएमईसी) ने शिकायत दी थी। साइबर पुलिस को एक टिपलाइन (सोशल मीडिया लिंक) हासिल हुआ था, जिसे डाउनलाड करने पर बाल पोर्नोग्राफी भेजने के सबूत हासिल हुए। साइबर पुलिस ने जब जांच आगे बढ़ाई तो पता चला कि एक नीतिश नाम के स्नैपचैट अकाउट से 12 जुलाई 2025 को यूटीसी पर लाइव यौन उत्पीड़न, बलात्कार आदिका वीडियो अपलोड ट्रांसमिट किया गया है। एनसीएमईसी ने संदिग्ध के फोन नंबर, ईमेल पता और आईपी एड्रेस की जानकारी प्रदान की। उपर्युक्त टिपलाइन के साथ संलग्न सामग्री फाइलोंका अच्छीतरह से अवलोकन किया गया और पाया गया कि कुल पांच वीडियो हैं जिनमें (दो बाल पोर्नोग्राफी वीडियो) और एक तस्वीर शामिल है, उक्त आईडी से डाली गई हैं।

हरियाणा की स्वास्थ्य व आयुष मंत्री ने सेवा पखवाड़ा समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में की शिरकत

» सेवा पखवाड़ा के माध्यम से समर्पण और जनकल्याण के उत्सव का हुआ समापन » पौधारोपण व सुरक्षा करके पर्यावरण को स्वच्छ रखने का दिया संदेश » प्रदेशवासियों को गांधी जयंती और दशहरा पर्व की दी बधाई व शुभकामनाएँ

पंचकूला, 2 अक्तूबर (सारांश मेहरा): हरियाणा की स्वास्थ्य व आयुष मंत्री सुश्री आरती सिंह राव ने आज सैक्टर-3 स्थित पिरामिड हाल में निदेशालय, आयुष विभाग द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़ा के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरक्त की और कहा कि यह कार्यक्रम एक सरकारी कार्यक्रम नहीं है बल्कि आज समर्पण और जनकल्याण के सामूहिक उत्सव का समापन हुआ है। उन्होनें प्रदेशवासियों को महात्मा गांधी जी की जयंती और दशहरा पर्व की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दी और कहा गांधी जी के विचार सेवा, स्वच्छता और सत्य आज भी हमारे लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। इन्हीं मूल्यों से प्रेरित होकर हरियाणा में 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक सेवा-पखवाड़ा का आयोजन किया गया। सुश्री आरती सिंह राव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम ने जनसाधारण के सहयोग से जन-आंदोलन का रूप ले लिया और यह कार्यक्रम पूरे भारत में एक त्योहार के रूप में मनाया गया। उन्होनें बताया कि "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान" के तहत आयुष विभाग ने 1655 कैम्प लगाए जिसमें लगभग एक लाख तीन हजार लोगो ने स्वास्थ्य लाभ लिया। इसके अलावा सेवा-पखवाड़ा के इन पंद्रह दिनों में स्वास्थ्य विभाग ने प्रदेश में 22,765 शिविर लगाए जिसमें 20 लाख से ज्यादा लोगो ने स्वास्थ्य लाभ लिया। उन्होनें बताया कि जांच शिविरो में दिव्यांगजनों के लिए भी जागरूकता अभियान, स्वच्छता, रक्तदान और पौधारोपण जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गई, प्रदेश के लाखों लोगो ने भी स्वास्थ्य लाभ लिया और पौधारोपण करके पर्यावरण को स्वच्छ करने का संदेश दिया । उन्होनें कहा कि आज संपन्न हो रहा सेवा-पखवाड़ा केवल पंद्रह दिनों का कार्यक्रम न होकर भविष्य में भी हमारे जीवन का हिस्सा बनना चाहिए। यदि हर नागरिक स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देगा, तो हरियाणा अवश्य ही स्वस्थ और सशक्त बनेगा। इससे पूर्व हरियाणा की स्वास्थ्य व आयुष मंत्री ने झाड़ू लगाकर व पौधारोपण कर उपस्थित सभी को एक-एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित किया और स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होने कहा कि पौधा लगाना ही काफी नहीं है बल्कि पौधे की सुरक्षा व पालन पोषण भी बेहद जरूरी है ताकि पौधा जल्द ही पेड़ बन जाए जिससें पर्यावरण साफ व स्वच्छ रहें । सुश्री आरती सिंह राव ने हाल में आयुष विभाग के सहयोग से लगे 10 आयुर्वेदिक दवा निर्माताओं द्वारा लगाए गए स्टालो व बनाई गई विभिन्न दवाईयों जैसे जैल, सिरप, कैपसूल गोलियों व अन्य उत्पादों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और उनकी सराहना भी की । आयुष विभाग के महानिदेशक श्री संजीव वर्मा ने कहा कि आयुष विभाग ने सेवा पखवाड़ा "स्वस्थ नारी सशक्त परिवार" पर केन्द्रित किया कि जब महिलाएं स्वस्थ होगी तो परिवार भी मजबूत होगे व समाज व प्रदेश भी स्वयं ही सशक्त बन जाएगा। आयुष स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ व पारदर्शी और आधुनिक बनाने के लिए प्रयासरत है और साथ ही भविष्य में कई नए आयुष स्वास्थ्य केन्द्र, अस्पताल और शैक्षिणक संस्थान स्थापित करने की योजना बना रहा है ताकि जनता को व्यापक पहुँच बेहतर स्वास्थ्य सुविधाँए और अधिक अवसर प्रदान किए जा सके। इस अवसर आयुष विभाग के अतिरिक्त निदेशक श्री विरेन्द्र हुडडा, उप-निदेशक श्रीमति सुषमा नैन, राज्य प्रशासकीय अधिकारी डा. दिलीप मिश्रा सहित आयुष विभाग के अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

अंबेडकर आयुर्विज्ञान संस्थान, मोहाली ने स्वच्छता अभियान मनाया

मोहाली, 2 अक्टूबरः (परदीप सिंह हैप्पी): डॉ. बी. आर. अंबेडकर राज्य आयुर्विज्ञान संस्थान, मोहाली ने शिक्षण संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की भागीदारी के साथ स्वच्छता अभियान मनाया। इस दिन टीम-आधारित स्वच्छता अभियान चलाए गए, जहाँ विभिन्न समूहों ने परिसर और उसके आसपास के क्षेत्रों की सफाई की जिम्मेदारी ली। सामूहिक प्रयासों के दृश्य प्रभाव को उजागर करने के लिए सफाई से पहले और बाद में मूल्यांकन किया गया। छात्रों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, "सबसे स्वच्छ कमरा प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। लड़कियों के वर्ग में तनुश्री, वान्या और मेधा ने प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि लड़कों के वर्ग में तरुण, सहनूर और अनिरुद्ध ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। एक शानदार मिसाल कायम करते हुए, निर्देशक, प्राचार्य, प्रो. (डॉ.) भवनीत भारती ने स्वयं छात्रों के साथ कॉलेज परिसर और आसपास के क्षेत्रों की सफाई की और इस संदेश को व्यवहार में उतारा कि सच्ची नेतृत्व भावना कर्म से ही प्रदर्शित होती है। कार्यक्रम के अंत में, सभी प्रतिभागियों ने स्वच्छता की शपथ ली और परिसर के बाहर स्वच्छता बनाए रखने और जागरूकता फैलाने की अपनी जिम्मेदारी ली। कार्यक्रम का समापन "स्वच्छ परिसर, स्वस्थ परिसर" के सामूहिक संदेश के साथ हुआ।

पंजाब ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली छमाही में 22.35% की शानदार जीएसटी वृद्धि दर हासिल की : हरपाल सिंह चीमा

» अप्रैल-सितंबर 2025 के दौरान राज्य ने कुल 13,971 करोड़ रुपए की जीएसटी प्राप्ति दर्ज की » कहा, आर्थिक चुनौतियों के बावजूद राज्य का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से बेहतर

चंडीगढ़, 2 अक्टूबर (हरजीत मथारू)

राज्य के कराधान विभाग की उल्लेखनीय सफलता को उजागर करते हुए पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी एवं कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां घोषणा की कि राज्य ने चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर 2025) के दौरान कुल 13,971 करोड़ रुपए की जीएसटी प्राप्तियां दर्ज कीं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज किए गए 11,418 करोड़ रुपए के मुकाबले 22.35% की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाती है। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि चालू वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में राज्य ने पिछले वर्ष की तुलना में जीएसटी राजस्व में 2,553 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की है। उन्होंने कहा कि राज्य की वर्ष-दर-वर्ष जीएसटी वृद्धि दर, जो वित्तीय वर्ष

2024-25 की पहली छमाही में केवल 5% थी, वह वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़कर 22.35% हो गई है। यह आंकड़ा राष्ट्रीय औसत जीएसटी वृद्धि दर 6% से कहीं अधिक है, जो स्पष्ट रूप से पंजाब के राजस्व जुटाने के प्रयासों की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, "जीएसटी के अलावा, पंजाब ने अन्य अप्रत्यक्ष कर श्रेणियों में भी उत्साहजनक नतीजे हासिल किए हैं। वैट और सीएसटी के तहत प्राप्तियों में 10% की वृद्धि हुई है, जबकि पंजाब राज्य विकास कर (पीएसडीटी) ने सितंबर 2025 के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11% की वृद्धि दर्ज की है।" हालिया जीएसटी तार्किकीकरण (राशनलाइजेशन) के प्रभाव का उल्लेख करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि पंजाब का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक मज़बूत रहा है। उन्होंने कहा, "जबकि अधिकांश अन्य राज्यों ने सितंबर 2025 में नकारात्मक वृद्धि दर दर्ज की, पंजाब ने लचीलापन दिखाते हुए दो अंकों की वृद्धि दर हासिल की। केवल सितंबर 2025 में ही राज्य ने 2,140.82 करोड़ रुपए की प्राप्ति दर्ज की, जो सितंबर 2024 के 1,943 करोड़ रुपए की तुलना में 197.82 करोड़ रुपए अधिक है और 10% की वृद्धि दर दर्शाता है। यह पिछले वर्ष इसी अवधि के मामूली 5% वृद्धि के मुकाबले बड़ा सुधार है।" टैक्स चोरी को रोकने और राज्य की वित्तीय स्थिति को मज़बूत करने के लिए पंजाब सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को सफलता का श्रेय देते हुए आबकारी एवं कराधान मंत्री ने कहा कि कराधान विभाग ने अप्रैल से सितंबर 2025 तक कर चोरी के खिलाफ अपने प्रवर्तन अभियानों को और तेज किया। उन्होंने बताया कि इस अवधि में 1,162 करदाताओं के बीच हुए 246 करोड़ रुपए के अवैध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोका गया। इसके अलावा, फर्जीवाड़ा नेटवर्क के खिलाफ चार बड़ी एफआईआर दर्ज की गईं, जिनमें लुधियाना में 500 करोड़ रुपए और फतेहगढ़ में 550 करोड़ रुपए के घोटाले शामिल हैं। उन्होंने कहा, "स्टेट इंटेलिजेंस एंड प्रिवेंटिव यूनिट्स (एस आई पी यू) द्वारा सड़कों पर नाकों के जरिए की गई जांच और निरीक्षणों से जुर्माने की वसूली में तेज़ बढ़ोतरी हुई है, जो अप्रैल-सितंबर 2024 के 106.36 करोड़ रुपए से बढ़कर अप्रैल-सितंबर 2025 में 355.72 करोड़ रुपए हो गई। यह 249.36 करोड़ रुपए का इज़ाफा प्रवर्तन-आधारित वसूली में उल्लेखनीय 134% वृद्धि को दर्शाता है।" कराधान विभाग के समर्पित प्रयासों की सराहना करते हुए, जिनकी कठोर प्रवर्तन मुहिम और सुधार उपाय इस शानदार प्रदर्शन के लिए अहम रहे, वित्त मंत्री ने कहा कि इसने पंजाब को जीएसटी वृद्धि में अग्रणी राज्यों में स्थापित किया है। उन्होंने कहा, "चुनौतीपूर्ण आर्थिक माहौल को देखते हुए यह उपलब्धि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। पंजाब ने मई 2025 में युद्ध जैसी स्थिति, जिसने व्यापार और कारोबार में व्यवधान पैदा किया, निर्यात पर टैरिफ प्रभाव जैसी अतिरिक्त बाधाओं, और कमजोर उपभोक्ता मांग, जिसने अगस्त और सितंबर की छमाही के दौरान खुदरा लेन-देन की गति को घटाया-इन सबका सफलतापूर्वक सामना करते हुए न केवल राजस्व वृद्धि बनाए रखी बल्कि इन प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद रिकॉर्ड तोड़ नतीजे भी हासिल किए।"

पंजाब सरकार ने पटाखे फोड़ने पर सख्त आदेश जारी किए

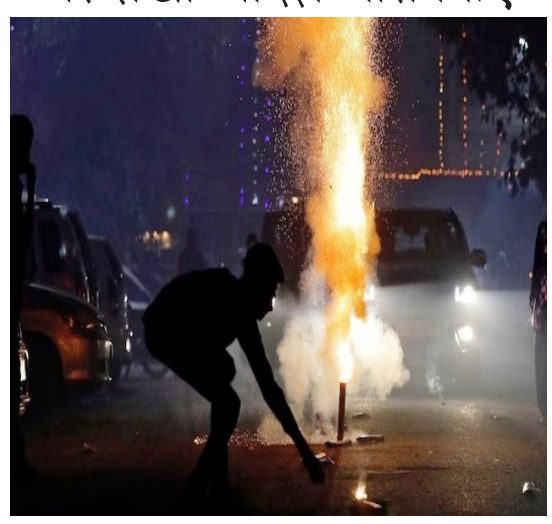

चंडीगढ़, 2 अक्टूबर (हरजीत मथारू)

पंजाब सरकार ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन करते हुए, राज्य में दशहरा, दिवाली, गुरुपर्व, क्रिसमस और नववर्ष के अवसर पर पटाखे फोड़ने और आतिशबाजी करने का समय निर्धारित कर दिया है। जारी आदेश के अनुसार सरकार ने 2 अक्टूबर 2025 को मनाए जाने वाले दशहरा के अवसर पर शाम 6 बजे से 7 बजे तक, 20 अक्टूबर 2025 को दिवाली की रात 8 बजे से 10 बजे तक, 5 नवंबर 2025 को गुरुपर्व के अवसर पर सुबह 4 बजे से 5 बजे तक (एक घंटा), रात 9 बजे से 10 बजे तक (एक घंटा) तथा क्रिसमस/नववर्ष के अवसर पर रात 11:55 बजे से 12:30 बजे तक पटाखे फोड़ने का समय निर्धारित किया है।

पंजाब पुलिस ने 4 किलो हेरोइन और 2 लाख रुपये सहित 78 नशा तस्करों को दबोचा

चंडीगढ़, 2 अक्तूबर (हरजीत मथारू) : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा राज्य से नशों के खात्मे के लिए शुरू किये गए नशा विरोधी अभियान 'युद्ध नशों विरुद्ध' को लगातार 215वें दिन भी जारी रखते हुए, पंजाब पुलिस ने आज 288 स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान राज्य भर में 60 एफआईआर दर्ज करके 78 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही, 215 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 31,649 हो गई है।

इन छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 4 किलो हेरोइन, 500 ग्राम अफ़ीम, 842 नशीली गोलियाँ/कैप्सूल और 2.13 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने

पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों को पंजाब को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए विशेष निर्देश दिए हैं। नशों के खिलाफ इस जंग की निगरानी के लिए पंजाब सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी का भी गठन किया है।

इस ऑपरेशन के दौरान 70 गज़टेड अधिकारियों की देखरेख में 1000 से अधिक पुलिस मुलाज़िमों वाली 120 से ज्यादा पुलिस टीमों ने राज्यभर में 288 छापे मारे। दिनभर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 301 संदिग्ध व्यक्तियों की भी जांच की। राज्य सरकार द्वारा नशों के खात्मे के लिए तीन-स्तरीय रणनीति - एन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी) - लागू की गई है। इसके तहत पंजाब पुलिस ने आज 'डी-एडिक्शन' हिस्से के रूप में 34 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार के लिए राज़ी किया।

पंजाब में उद्योगों को रात में मिलेगी सस्ती बिजली

चंडीगढ़, 2 अक्टूबर (गुरशरण सिंह)

पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार उद्योगों को रात में सस्ती बिजली उपलब्ध कराएगी। एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार, यह बिजली एक रुपये सस्ती होगी। यह लाभ रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक चलने वाले उद्योगों को मिलेगा। इससे रात में चलने वाले उद्योगों को लाभ होगा। यह आदेश 16 अक्टूबर से 1 मार्च तक लागू रहेगा। सर्दियों में बिजली की खपत कम होती है, जिसके चलते विद्युत नियामक आयोग ने यह फैसला लिया है। इससे उत्पादन भी बढ़ेगा। पंजाब पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के टैरिफ से लुधियाना, पटियाला, जालंधर और मोहाली समेत प्रमुख शहरों में चलने वाले उद्योगों को लाभ होगा। यहाँ उद्योग रात में भी चलते हैं और शिफ्टों में काम करते हैं।

सरकार द्वारा जारी संशोधित टैरिफ उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए सरकार यह कदम उठा रही है... निजी कोयला ताप विद्युत संयंत्र खरीदः पंजाब सरकार बिजली उत्पादन पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है। इसके लिए विभाग ने गोइंदवाल में एक निजी कोयला ताप विद्युत संयंत्र खरीदा

है। रात में बिजली दूसरे राज्यों को भी बेची जाती है। वर्तमान में, बिजली मुख्य रूप से मुंबई जैसे बड़े शहरों को भेजी जा रही है। बाहरी राज्यों की कंपनियाँ कर रही हैं निवेशः इसके अलावा, बाहरी राज्यों की कंपनियाँ अब पंजाब में निवेश कर रही हैं, जिसे पंजाब के लिए एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि इसके लिए उन्होंने विभिन्न स्तरों पर काम किया है। उद्योग नियमों में ढीलः पंजाब सरकार ने उद्योग से जुड़े नियमों में काफ़ी बदलाव किए हैं। अब लोगों को सिर्फ़ 18 दिनों के अंदर सिंगल विंडो के ज़रिए सभी मंज़ूरियाँ मिल जाएँगी। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर राज्य में उद्योग आएंगे, तो युवाओं को रोज़गार के अवसर मिलेंगे। विशेषज्ञों की सलाह पर तैयार हो रही है उद्योग नीतिः नए उद्योग मंत्री ने 24 समितियाँ बनाई हैं, जिनमें से प्रत्येक समिति में विभिन्न उद्योगों के विशेषज्ञ शामिल हैं। सरकार की अगली औद्योगिक नीति इन्हीं की सलाह पर तैयार हो रही है। मुख्यमंत्री ख़ुद उद्योग विशेषज्ञों से मिलने के लिए दिल्ली और अन्य राज्यों का दौरा कर चुके हैं।

जन्मदिन पर मनकीरत औलख का नेक कदम, बाढ़ पीड़ितों को दान किए 21 ट्रैक्टर

चंडीगढ़, 2 अक्टूबर (सुरिंदर सिंह)

पंजाबी गायक मनकीरत औलख ने अपने जन्मदिन पर एक बार फिर बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए हैं। उन्होंने सुल्तानपुर लोधी में बाढ़ पीड़ितों के लिए 21 सोनालीका ट्रैक्टर दान किए हैं। ये ट्रैक्टर ऐतिहासिक गुरुद्वारा हट साहिब के बाहर कतार में खड़े थे, जहाँ गुरु नानक देव जी ने 'तेरा-तेरा' तोला था। मनकीरत औलख ने बाढ़ प्रभावित किसानों को 100 ट्रैक्टर देने का वादा किया था और वह लगातार इस वादे को पूरा कर रहे हैं। आज अपने जन्मदिन पर 21 ट्रैक्टर देकर उन्होंने इस नेक काम को जारी रखा है। हर ट्रैक्टर पर 'टीम मनकीरत औलख' लिखा है। यह पहली बार नहीं है जब मनकीरत औलख ने जरूरतमंदों की मदद की हो। इससे पहले भी वह 20 ट्रैक्टर दान कर चुके हैं।

इसके अलावा, मानसा ज़िले में बाढ़ के कारण एक कबड्डी खिलाड़ी का घर ढह जाने पर उसे घर बनाने में भी मदद की गई।

दर्दनाक हादसे में इलैक्ट्रिशयनकीमौत

मोगा, 2 अक्टूबर (ब्यूरो)। थाना धर्मकोट के अंतर्गत पड़ते गांव रसूलपुर जानियां में बिजली का काम करते बलवंत सिंह (41) निवासी धर्मकोट की हाई वोल्टेज तारों के करंट की चपेट में आने से मृत्यु होने का पता चला है। इस संबंध में मलकीत सिंह विरदी ने बताया कि बलवंत सिंह जो 25 साल से बिजली का काम करता था, गत दिवस जब वह गांव रसूलपुर जानियां में हरदयाल सिंह के खेत में मच्छी मोटर मुरम्मत करने के लिए गया था और जब उसने मोटर को बाहर निकालने का प्रयास किया, तो ऊपर से गुजरती 11000 वोल्टेज बिजली करंट की तारों से टकरा गया और गिर गया। जिसे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक दो बच्चों का पिता था। जांच अधिकारी सहायक थानेदार मलकीत सिंह विरदी ने कहा कि मृतक की पत्नी मनदीप कौर के बयानों पर अ.ध. 194 के तहत कार्रवाई करने के बाद शव को सिविल अस्पताल मोगा से पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

लोक निर्माण विभाग द्वारा विभिन्न स्कीमों के तहत करवाए जा रहे हैं विकास कार्य : हरभजन सिंह ई.टी.ओ.

» 877.05 करोड़ की लागत से कई सड़कों और पुलों का निर्माण पूरा

चंडीगढ़, 2 अक्टूबर (शालू मिरोक) : पंजाब राज्य में सड़क नेटवर्क को मज़बूत बनाकर विकास की गति को तेज करने में राज्य का लोक निर्माण विभाग अहम भूमिका निभा रहा है। लोक निर्माण विभाग द्वारा राज्य में विभिन्न स्कीमों के तहत कराए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने बताया कि नाबार्ड स्कीम के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 279.64 किलोमीटर लंबाई की सड़कों और 8 पुलों का निर्माण कार्य पूरा किया गया, जिस पर 104.28 करोड़ रुपये खर्च किए गए। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 125.00 किलोमीटर लंबाई की सड़कों के निर्माण पर 192 करोड़ खर्च करने की स्कीम है। इस स्कीम के अंतर्गत 14.50 किलोमीटर लंबाई की सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है, जिस पर 18.13 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान मद 5054 आर.बी.-10 सड़कों के अंतर्गत 781 किलोमीटर लंबाई की सड़कों का काम पूरा किया गया है, जिस पर कुल 503.02 करोड़ रुपये खर्च हुए। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 840.00 किलोमीटर लंबाई की सड़कों

के निर्माण पर 663.00 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना है, जिसमें से 342 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इस स्कीम के अंतर्गत 212 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि मद संख्या 5054 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 10 पुलों का निर्माण कार्य पूरा किया गया, जिस पर कुल 48.29 करोड़ रुपये खर्च हुए। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 31 नंबर पुलों के निर्माण पर 155.00 करोड़ खर्च करने की योजना है, जिनमें से 31 नंबर पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस स्कीम के तहत 16.39 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने बताया कि सी.आर.आई.एफ. स्कीम के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान 147.68 किलोमीटर लंबाई की सड़कों को अपग्रेड किया गया। इन कार्यों पर कुल 141.80 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसके अलावा, वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 95 किलोमीटर लंबाई की सड़कों और 3 नंबर पुलों के निर्माण पर 190.00 करोड़ खर्च करने की योजना है, जिसमें से 10 किलोमीटर और 2 नंबर पुलों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

भारत सरकार ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और दिल्ली कमेटी को सिख जत्था पाकिस्तान भेजने

चंडीगढ़, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): भारत सरकार ने हर साल की तरह इस साल भी पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब में श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव मनाने जा रहे भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे को अनुमति दे दी है।

सूत्रों के अनुसार, पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सभी आपसी संबंध समाप्त हो गए थे और इस दौरान सभी धर्मों के जत्थों के भारत-पाकिस्तान के बीच आने-जाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था।

नवंबर 2025 में श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव मनाने जा रही संगतों को भारत सरकार ने अटारी सीमा के रास्ते भारत स्थित पाकिस्तान उच्चायोग से 10 दिन का वीज़ा लेने की अनुमति दे दी है।

महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के 47 कैडेटों ने एन.डी.ए. की लिखित परीक्षा की पास

» अमन अरोड़ा ने कैडेटों को दी बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं

चंडीगढ़, 2 अक्तूबर (परदीप सिंह हैप्पी) : महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट, एस.ए.एस. नगर (मोहाली) के 47 कैडेटों ने एन.डी.ए.-156 कोर्स के लिए नेशनल डिफेंस एकेडमी (एन.डी.ए.) (II) लिखित परीक्षा पास कर शानदार उपलब्धि हासिल की है। इस संबंध में यू.पी.एस.सी. ने बुधवार देर शाम परिणाम घोषित किए। यह कोर्स जून 2026 में शुरू होगा। पंजाब के रोज़गार उत्पत्ति, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि एन.डी.ए. (II) लिखित परीक्षा देने वाले इस संस्थान के 57 कैडेटों में से 47 कैडेटों ने 82.45 प्रतिशत की शानदार सफलता दर से परीक्षा पास की है। यह संस्थान द्वारा एन.डी.ए. (I) या एन.डी.ए. (II) परीक्षाओं के लिए हासिल की गई अब तक की सबसे अधिक सफलता दर है। कैडेटों को बधाई देते हुए अमन अरोड़ा ने कहा, 'ये कैडेट पंजाब का गौरव हैं। मेरी ओर से उन्हें एस.एस.बी. इंटरव्यू और ट्रेनिंग के लिए शुभकामनाएं।' परिणामों पर संतोष व्यक्त करते हुए प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर मेजर जनरल (रिटायर्ड) अजय एच. चौहान, वी.एस.एम. ने कहा कि कैडेट अब जल्द ही अपना सर्विसेज़ सेलेक्शन बोर्ड (एस.एस.बी.) इंटरव्यू देंगे। उन्होंने संस्थान के स्टाफ और अध्यापकों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई दी। उन्होंने बताया कि संस्थान के नौ में से सात कैडेट ए.एफ.सी.ए.टी. परीक्षा पास कर चुके हैं, जिसके परिणाम हाल ही में डी-क्लासीफाइड किए गए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संस्थान की स्थापना से लेकर अब तक इसके 179 पूर्व विद्यार्थी रक्षा सेवाओं में कमीशंड अधिकारी बने हैं।

सरहद पार से हथियार और नशा तस्करी में शामिल एक नाबालिग समेत पाँच व्यक्ति गिरफ्तार

» 12 पिस्तौलों और 1.5 किलोग्राम हेरोइन बरामद

अमृतसर, 2 अक्टूबर (ब्यूरो) : मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक नाबालिग समेत पाँच गुर्गों को 12 आधुनिक .30 बोर पिस्तौलों और 1.5 किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार कर पाकिस्तान से जुड़े सीमा पार के हथियार और नशा तस्करी नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने आज यहाँ दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में जोबन सिंह (22), करनदीप सिंह उर्फ पंडित (19) और अजयपाल सिंह

(18), तीनों निवासी गाँव माड़ी मेघा, तरनतारन; अमृतसर के गाँव रणिया का जशनप्रीत सिंह (18) और एक 16 वर्षीय नाबालिग शामिल हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी जोबन सिंह और जशनप्रीत सिंह सीधे पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे और सोशल मीडिया के जरिए हथियारों और नशीले पदार्थों की खेपें प्राप्त करने और पहुँचाने का काम कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हथियारों की ये खेपें पंजाब में गैंगवार और आपसी दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए इस्तेमाल होनी थीं। डीजीपी ने कहा कि मामले में आगे-पीछे के संबंध जोड़ने और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे और जांच जारी है। पुलिस कमिश्नर (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कार्रवाई का विवरण साझा करते हुए बताया कि गेट हकीमा क्षेत्र में लगाए गए एक नाके पर पुलिस टीमों ने संदिग्ध जोबन सिंह, करनदीप सिंह उर्फ पंडित और अजयपाल सिंह को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से पाँच .30 बोर पिस्तौल बरामद की गईं। गिरफ्तार तीनों आरोपी गाँव माड़ी मेघा, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा के नज़दीक स्थित है, के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान स्थित तस्कर हथियारों और नशीले पदार्थों की खेपें गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करते थे।

सीपी ने कहा कि खुलासों के आधार पर गिरफ्तार आरोपी जोबन सिंह के साथियों -जशनप्रीत सिंह और एक नाबालिग - को नामजद करके सात पिस्तौल सहित गिरफ्तार किया गया। जोबन सिंह से लगातार पूछताछ करने पर उसके द्वारा छुपाकर रखी गई 1.5 किलो हेरोइन की खेप के बारे में भी पता चला, जिसे उसके बताए स्थान से बरामद कर लिया गया।

इस संबंध में अमृतसर के पुलिस स्टेशन गेट हकीमा में शस्त्र अधिनियम की धारा 25 और एनडीपीएस अधिनियम की धारा 21-सी और 29 के तहत एफआईआर नंबर 269 दिनांक 28-09-2025 दर्ज की गई है।

समर एक्सप्रेस

यह कैसा ड्राई-डेः कहीं सरेआम खुला रहे शराब के ठेके तो कहीं चोरी चोरी बिकी शराब

4:35 बजे बस स्टैंड के पास खुला हुआ शराब का ठेका। 4:55 बजे बस स्टैंड के पास ही एक शराब के ठेके पर चोरी से बेची जा रही शराब।

लुधियाना (सुनील शिंगार)

वैसे तो गांधी जयंती वाले दिन पूरे देश में ड्राई डे रहता है और हर शराब के ठेके को बंद रखने की सख्त हिदायतें है। लेकिन औद्योगिक नगरी लुधियाना में ड्राई डे कुछ ज्यादा असरदार नहीं है।

महानगर में कई जगहों पर शराब के ठेके पूरा दिन खुले रहे जबकि कई इलाके ऐसे हैं जहां पर शराब के ठेकों के शटर में से चोरी चोरी शराब बेची जाती रही तो ऐसा आलम पुरा ही दिन देखने को मिला क्योंकि गांधी जयंती और दशहरा होने के कारण सभी औद्योगिक इकाइयों में छुट्टी होने के कारण लोग शराब का सेवन करने के लिए ठेकों के बाहर पहुंचे।

इस मामले में जब पुलिस अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने शराब के ठेके खुले होने की बात को दरकिनार किया जबकि जांच करवाने की बात भी कहीं।

एक्साइज विभाग की भी होती है जिम्मेदारी : जानकारी के मुताबिक एक्साइज विभाग के अधिकारियों को ड्राई डे वाले दिन ठेके बंद करवा कानून व्यवस्था बनाए रखना होता है। जो ठेकेदार या शराब के ठेके नियम को नहीं मानते उन पर एक्साइज विभाग के अधिकारियों की तरफ से सख्त कार्रवाई की जाती है और जुर्माने के तौर पर बड़ी राशि भी वसूली जाती है।

लेकिन ड्राई डे वाले दिन शराब के ठेके खुलने कहीं ना कहीं एक्साइज विभाग के अधिकारियों की भी नालायक की साबित कर रहा है। कारण है कि ऐसे स्पेशल दिनों में एक्साइज विभाग के अधिकारियों को गश्त कर इस बात की पुष्टि करनी होती है कि ड्राई डे वाले दिन सभी शराब के ठेके नियम कानून के मुताबिक बंद है।

ऊंची पैंठ दिखा ठेकेदारी करते हैं धक्केशाही : ज्यादातर शराब के ठेकेदारों की बड़े राजनेताओं के साथ नजदीकियां है। ऐसे में यह ठेकेदार उन राजनेताओं के शह पर नियम कानून को छक्के टांग देते हैं और ड्राई डे वाले दिन भी शराब के ठेकों को सरेआम खोल शराब की बिक्री करते हैं।

जानकारी के मुताबिक जो भी शराब के ठेके सरेआम खुले हुए हैं या फिर चोरी से शराब बेची जा रही है वह बड़े राजनेताओं की छत्रछाया में ही चल रहा है। उन्होंने बताया कि ऐसे ठेकेदारों पर एक्साइज विभाग के अधिकारी भी कार्रवाई करने जैसी बात का दिखावा करते हैं लेकिन असल में इन पर कोई भी कार्रवाई नहीं की जाती।

जनता के सहयोग के बिना किसी भी अपराध पर अंकुश लगाना मुश्किल : एडीसीपी वैभव सहगल

नशा तस्करों और गुंडा तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा ग़लत काम बंद कर दे या तो फिर शहर छोड़ दे

लुधियाना, 2 अक्टूबर (दलजीत विक्की)

एडीसीपी मंदीप सिंह संधू की 30 सितंबर को रिटायरमेंट के बाद 2014 बैच के पीपीएस अधिकारी वैभव सहगल ने वीरवार को लुधियाना एडीसीपी-4 का चार्ज संभाल लिया है इससे पहले वैभव सहगल लुधियाना में एडीसीपी पीबीआई के पद पर तैनात थे वही वैभव सहगल लुधियाना से भली भाँति वाक़िफ़ है वे इससे पहले लुधियाना में बतौर एसीपी इंडस्ट्रियल ए सहित कई पदो पर अपनी सेवाये निभा चुके है।

चार्ज संभालते ही एडीसीपी-4 वैभव सहगल ने कहा कि वह अपने इलाके में किसी भी प्रकार के गुण्डतत्व व गैरकानूनी,असामाजिक तत्वों को किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं करेंगे।पंजाब सरकार द्वारा चलाई गई मुहिम युद्ध नशे के विरुद्ध पर डटकर पहरा देंगे और नशा बेचने वालो और उनके नेक्सेस को पूरी तरह नेस्तोनाबूत कर उनकी सही जगह उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। उन्होंने इलाके में फैले सभी नशा तस्करों और गुंडा तत्वों को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अपने सभी ग़लत काम बंद कर दे या तो फिर शहर छोड़ कर चले जाये।नहीं तो पंजाब पुलिस अपने तरीक़े से उनके सारे ग़ैर क़ानूनी कामो को बंद करवायेगी।वही उन्होंने जनता से अपील की है कि अपने अपने ईर्द गिर्द इलाके में फैले किसी भी ग़ैर क़ानूनी व नशा तस्करी का काम करने वालो की उनको सूचना दे।उनका नाम और पता गुप्त रखा जायेगा। क्योंकि जनता के सहयोग के बिना किसी भी अपराध पर अंकुश लगाना मुश्किल है।

महानगर में चले कई अवैध मेले, दरेसी मेले में 121 फुट ऊंचा रावण बनाया

लुधियाना (सुनील शिंगार)

दशहरे के मौके पर महानगर में कई ऐसे मेले लगे जो कि अवैध ढंग से चलाए गए। इन अवैध ढंग से चलाए जाने वाले मेलों के लिए ना ही संचालकों ने विभाग से आज्ञा ली और ना ही कोई सरकारी फीस जमा करवाई। बावजूद इसके इन मेलों को प्रशासन के अधिकारियों ने चलाने की अनुमति दी जोकि नियमों के खिलाफ है। वही लुधियाना के सबसे प्राचीन और सबसे बड़े दरेसी ग्राउंड वाले दशहरे के मेले में रौनक देखने को मिली।

उक्त मेले में संचालक द्वारा 121 फुट ऊंचा रावण बनाया गया जो कि आकर्षण का केंद्र रहा। इसके इलावा लुधियाना में लगभग पांच दर्जन से ज्यादा मेलों में रावण दहन किया गया। दशहरे का मेला लगभग 15 दिन पहले ही शुरू हो जाता है और दशहरा निकालने के करीब एक हफ्ते बाद तक चलता है। ऐसे में अभी आने वाले कुछ दिनों तक इन मेलों में रौनक देखने को मिलेगी।

बड़ी बात यह है कि जो भी अवैध मेले चल रहे हैं प्रशासन उनके संचालकों पर कार्रवाई करेगा या नहीं यह देखने की बात है। इस बार मेलों में देखने को मिले काफी बदलाव हर बार मेलों में झूले या फिर खाने-पीने की चीज ही देखने को मिलती हैं। इस बार मेला संचालको द्वारा मेले को और भी आकर्षित बनाने के लिए कई ऐसी चीजों को बदला गया जो कि आकर्षण का केंद्र बनी रही। कई मेलों में जलपरी आकर्षण का केंद्र बनी तो एक मेले में लंदन सिटी बनाई गई। एक मेले में भगवान भोले शंकर की पवित्र यात्रा श्री अमरनाथ की गुफा का मॉडल बनाया गया जबकि अन्य कई मेलों में भी ऐसे ही आकर्षण करने वाले मॉडल बनाए गए जिनको देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ भी वहां पर पहुंची।

संघ स्थापना दिवस के शताब्दी वर्ष और विजयदशमी उत्सव पर संघ द्वारा शस्त्र पूजन, शारीरिक प्रदर्शन और बौद्धिक कार्यक्रम आयोजित

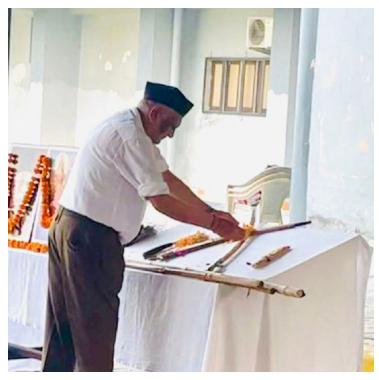

लुधियाना, 2 अक्तूबर (दलजीत विक्की)

संघ स्थापना दिवस और विजयदशमी उत्सव पर विश्वकर्मा जिला लुधियाना विभाग में शस्त्र पूजन , शारीरिक प्रदर्शन और बौद्धिक का कार्यक्रम पूर्ण गणवेश में आयोजित किया गया। जिसमे विश्वकर्मा जिला के कुल 12 नगरों में से 09 नगरों में कुल 725 पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों सहित समाज से सैकड़ो की संख्या में माताएं, बहनो की भी उपस्थिति रही।

अलग अलग कार्यक्रमों में सतीश कुमार सह प्रांत कार्यवाह ,सुंदर लाल प्रांत संगठन मंत्री किसान संघ,यशगिरी प्रांत संयोजक सामजिक सद्भावना ,हितेंद्र कुमार सह जिला व्यवस्था प्रमुख,मनु कुमार विभाग कॉलेज विद्यार्थी प्रमुख, डा. शैलेन्द्र विभाग सेवा प्रमुख,बलविंदर सिंह जिला बौद्धिक प्रमुख सराभा जिला, डा. शिव कुमार विभाग संयोजक, योग भारती, नितिन गुप्ता विभाग सह शारीरिक शिक्षण आदि ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। जिसमे उन्होंने बताया कि यदि संघ को समझना हो तो संघ में आना होगा और केवल और केवल देने के भाव को लेकर ही संघ में आना सार्थक होगा,जो लोग किसी हेतु को लेकर संघ में आते है , वे अधिक समय संघ में नही रह पाते। वक्ताओं ने सभी स्वयंसेवकों को पर्यावरण संरक्षण, परिवार प्रबोधन,सामाजिक समरसता, स्वदेशी भाव और नागरिक कर्तव्यों के कार्यों को अग्रसर होकर करने और राष्ट्र प्रेम के भाव को समाज के सभी वर्गों में भरने के लिए प्रोत्साहित किया।अपने स्वयंसेवकों के समर्पण भाव और सामूहिकता के कारण ही आज हम अपने गौरवशाली 100 वर्ष पूर्ण कर शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहे है।

ये बीते 100 वर्ष अनेकों संघ कार्यकर्ताओं के त्याग और समर्पण भाव की गाथाओं से भरे पड़े हैं। माननीय विभाग संघचालक श्री महेंद्रपाल जी जैन और जिला टोली से माननीय जिला संघचालक ऋषि जी, माननीय सह जिला संघचालक खिलार चंद जी, जिला कार्यवाह विनोद ,सहकार्यवाह मुनीश और सहकार्यवाह शैलेश की भी कार्यक्रमों में उपस्थिति रही।

सुखदेव नगर में विभाग संघ चालक श्री महेंद्रपाल जैन जी रहे विशेष तौर पर उपस्थिति

कार्यक्रम के आरंभ में शस्त्र पूजन किया गया और पूर्ण गणवेश में कार्यकर्ताओं ने शारीरिक प्रदर्शन के कार्यक्रम किए। कार्यक्रम समापन के बाद अल्पाहार वितरण हुआ। लगभग सभी नगरों में समाज में से माताओं ,बहनों और सज्जन शक्ति की उपस्थिति रही। जिले के शेष 3 नगरों में आगामी रविवार को कार्यक्रम किए जाएंगे।कुल मिलाकर पूर्ण गणवेश में शताब्दी वर्ष के इन कार्यक्रमों से सभी स्वयंसेवकों में नई ऊर्जा का संचार होने के साथ ही शताब्दी वर्ष में आने वाले कार्यक्रमों को सफल बनाने और समाज में पंच परिवर्तन जिसमे स्वदेशी संकल्प,नागरिक कर्तव्य, परिवार प्रबोधन,पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता का भी संदेश गया।

जमालपुर के इलाके में पड़ोसी ने की अपने ही पड़ोसी युवक की गोली मारकर हत्या, पुलिस जांच में जुटी

लुधियाना (अशवनी पाहवा)

चंडीगढ रोड स्थित राम नगर में एक पड़ोसी ने अपने ही पड़ोसी की गोली मारकर हत्या कर दी। हादसे में गोली युवक के माथे पर जा लगी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गोली लगने के बाद जख्मी हालत में युवक को उसके भाइयों ने इलाके के लोगों की मदद से फोर्टिस अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। मामले की सूचना थाना जमालपुर की पुलिस को दी गई जहां पुलिस ने घटनास्थल में पहुंचकर जांच शुरू की। वही घटनास्थल पर फोरेंसिक टीम भी पुहंची। जहा टीम ने दुकान में से कई अहम सुराग कब्जे में लिए। वही इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फोटेज भी पुलिस के सामने आई। जिसमे आरोपी युवक घटना को अंजाम देने के बाद भागता हुआ दिखाई दे रहा है।

मृतक युवक की पहचान 19 वर्षीय हिमांशु के रूप में हुई। वह मूलरूप से यूपी के जिला आजमगढ़ के गांव सरियां का रहने वाला था। वह एक निजी कंपनी में काम करता था और काम से फ्री होकर वह अपने भाई के साथ हेयर ड्रेसर की

दुकान पर हाथ बटाता था। जहा वीरवार की शाम करीब 4 बजे पड़ोसी ने घटना को अंजाम दिया।

चचेरे भाई के साथ दुकान में बैठा था हिमांशु, पड़ोसी ने दुकान में घुस मारी गोली युवक

मृतक हिमांशु की भाभी पूनम ने बताया कि घटना के समय हिमांशु अपने चचेरे भाई रवि के साथ दुकान में बैठा था। वही पूनम और उसका पति रितेश साथ वाले कमरे में खाना खा रहे थे। जिस दौरान पड़ोसी गुलशन ने दुकान में घुसकर उसके गोली मार दी।

दुकान में दोनों में हुआ विवाद,बहस होने पर चलाई गोली

पूनम ने बताया कि दोनों भाई दुकान पर थे और उनका पड़ोसी दुकान पर गया। दुकान में जाते ही उसने बहस शुरू कर दी। जिसके बाद दोनो में विवाद हो गया। इसी बीच पड़ोसी अपने घर में गया और रिवाल्वर लेकर आ गया। उसने दुकान के अंदर जाकर हिमांशु के माथे पर सीधी गोली मार दी और वहां से भाग गया।

गोली मारने के बाद रिवाल्वर घर में रखकर फरार, मां- बेटी हिरासत में

सीसीटीवी कैमरों में सामने आया कि आरोपी घटना को अंजाम देने के बाद रिवाल्वर लेकर अपने घर में घुसा। उसने रिवाल्वर घर में रखी और वहां से फरार हो गया। जिसे परिजनों ने छुपा दिया। पुलिस ने घर मे तलाशी ली तो उन्हें रिवॉल्वर बरामद हुई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपित की बहन ओर मां को हिरासत में लिया और उन्हें थाने में ले गए। इलाके के लोगों के अनुसार आरोपित गुलशन ग्रेटर लुधियाना एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी में काम करता है। वह ग्लाडामें किस पोस्ट पर तैनात है यह किसी को नही पता। पुलिस ग्लाडासे भी आरोपी गुलशन के बारे में जानकारी जुटाने में लग गई है।

जांच कर रहे हैं आरोपी जल्दी होगा गिरफ्तार

मौके पर पहुंचे एसीपी जसबिन्दर सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि राम नगर में गोली चली है। मौके पर पहुंच पुलिस की टीम ने जांच शुरू कर दी। जल्दी ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वही पुलिस को आरोपित के घर से घटना में इस्तेमाल रिवॉल्वर बरामद हो गई है। जिस जांच के लिए फोरेंसिक टीम को सौंप दिया गया है।

मौत के बाद भी मुक्ति नहीं : मरने वालों का गुनाह इतना कि उनका कोई वारिस नहीं जिससे नहीं हो रहे उनके संस्कार

लुधियाना (सुनील शिंगार)

वैसे तो माना जाता है कि मरने के बाद इंसान को मुक्ति मिल जाती है। लेकिन लुधियाना के सिविल अस्पताल में मौजूदा समय में तीन ऐसे शव पड़े हैं जो कि बीते कई दिनों से मुक्ति यानि अंतिम संस्कार का इंतजार कर रहे हैं। उनका अंतिम संस्कार इसलिए नहीं किया जा रहा क्योंकि पुलिस के पास समय नहीं है। पुलिस के पास समय होगा तो उनका पोस्टमार्टम करवाया जाएगा इसके बाद ही अंतिम संस्कार होना है। तीनों ही शव का पोस्टमार्टम करवाने के लिए सिविल अस्पताल प्रशासन पुलिस को कई बार लिख चुका है लेकिन पुलिस के कान पर जूं नहीं सिरक रही। यह तीनों शव थाना साहनेवाल, लाढ़ोवाल व थाना डिवीजन 6 के क्षेत्र से सिविल अस्पताल भेजे गए है जिनकी सिविल अस्पताल की मोर्चरी में बेकद्री हो रही है जो कि कानूनी

गुनाह है। इसमें जब थाना डिवीजन 6 के प्रभारी से बात की गई तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया कि उनको ऐसे किसी भी शव की सूचना नहीं है जो सिविल अस्पताल की मोर्चरी में पड़ा है और उसका पोस्टमार्टम नहीं करवाया गया। पहले भी कई बार हो चुका ऐसा यह कोई पहला मामला नहीं हुआ जिसमें सिविल अस्पताल में शवों को कई दिनों तक अंतिम संस्कार के लिए इंतजार करना पड़ा। हर बार गलती पुलिस की ही होती है जिसमें थाना पुलिस समय न होने का तर्क देकर कई दिनों तक शव का पोस्टमार्टम नहीं करवाते। ऐसे में सिविल अस्पताल प्रशासन बार-बार संबंधित थाना पुलिस को पत्र लिखकर चेताता भी रहा है। पोस्टमार्टम करवाने का अंतिम फैसला पुलिस का ही होता है जिसमें पुलिस कई बार ढील बरतती है। 72 घंटे बाद पोस्टमार्टम करवाना अनिवार्य अगर किसी अज्ञात व्यक्ति की सड़क पर मौत हो जाती है तो पुलिस उसके शव को लेकर सिविल अस्पताल पहुंचाती है। वहां पर उक्त व्यक्ति के शव को 72 घंटे तक रखने की कानूनी अनुमति है। इन 72 घंटे में पुलिस मरने वाले की पहचान का पता करने के लिए इलाका में जांच करती है। अगर उक्त मरने वाले व्यक्ति की पहचान नहीं होती तो 72 घंटे के बाद उसका पोस्टमार्टम करवा कर संस्कार करना अनिवार्य रहता है। अगर उक्त व्यक्ति की पहचान हो जाती है तो उसके परिजन ही पोस्टमार्टम करवा संस्कार करते हैं। ढील बरतने पर पुलिस के तर्क

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अज्ञात शव के पोस्टमार्टम न करवाने के पीछे कई तर्क हैं। पहले तर्क यह रहता है कि पुलिस की कोशिश होती है कि मरने वाले की पहचान हो जाए इसके बाद ही पोस्टमार्टम करवाया जाए। दूसरा तर्क यह है कि पुलिस के पास थानों में कर्मचारियों की कमी है जिस कारण उनको समय नहीं लगता और वह पोस्टमार्टम नहीं करवाते। तीसरा सबसे बड़ा कारण यह माना जाता है कि पोस्टमार्टम करवाने के लिए पुलिस को भारी भरकम दस्तावेज बनाने पड़ते हैं। दस्तावेज बनाने के बाद पोस्टमार्टम करवा कर जब संस्कार किया जाता है तो उसमें भी पुलिस को अपनी जेब से पैसे खर्च करने पड़ते हैं। कई केस ऐसे होते हैं जिसमें कोई समाज सेवी संस्था उक्त अज्ञात शव का पोस्टमार्टम करवाने का बीड़ा उठा लेती है।

लुधियाना में फूड सेफ्टी विभाग की सख्त कार्रवाईः कई दुकानों पर रेड

त्योहारों के सीजन को देखते हुए सिविल सर्जन डॉ. रमनदीप कौर की निगरानी में फूड सेफ्टी टीम ने शहरभर में अचानक निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान दूध, पनीर और मिठाइयों समेत कुल 14 खाद्य पदार्थों के सैंपल एकत्र किए गए।

त्योहारों पर बाजारों में मिठाइयों और डेयरी प्रोडक्ट्स की मांग अधिक हो जाती है। इसी कारण टीम ने बस्ती जोधेवाल, टिब्बा रोड, दुगरी, धांदरा रोड, फूलांवाल, मॉडल टाउन और दरेसी इलाकों से जांच के लिए सैंपल उठाए। वहीं, टिब्बा रोड स्थित जूस की दुकानों और फास्ट-फूड पॉइंट्स का भी निरीक्षण किया गया। मिलावट और घटिया

सामान का खतरा डॉ. रमनदीप कौर ने कहा कि इस समय नकली और घटिया क्वालिटी का सामान बेचे जाने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर (FBOs) के लिए FSSAI के नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने साफ-सफाई, स्वच्छता और उत्तम क्वालिटी के कच्चे माल के उपयोग पर जोर दिया। लैब टेस्ट के लिए भेजे गए सैंपल डॉ. कौर ने कहा कि दुकानदार अपने प्रतिष्ठानों पर FSSAI लाइसेंस नंबर को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करें, ताकि ग्राहकों का विश्वास बढ़े। सभी सैंपल लैब भेजे जा चुके हैं और रिपोर्ट आने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि त्योहारों के इस मौसम में कोई भी खाद्य सामग्री खरीदते समय हमेशा FSSAI लाइसेंस नंबर अवश्य जांचें और केवल साफ-सुथरी दुकानों से ही सामान खरीदें।

हाईकोर्ट ने बढ़ाई भूपेंद्र हुड्डा की टेंशन, मिला नोटिस

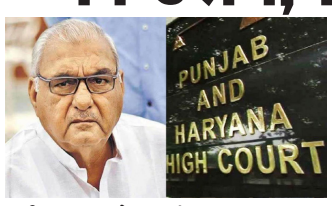

चंडीगढ़ (ब्यूरो)। एजेएल प्लॉट आवंटन मामले में ट्रायल पर लगी रोक को हटाने के लिए सीबीआई ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सीबीआई की याचिका पर हाईकोर्ट ने हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) को नोटिस जारी किया। मामलाक्याहै? 1 दिसंबर 2018 को सीबीआई ने हुड्डा, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोतीलाल वोरा (जिनका अब निधन हो चुका है) और एजेएल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। आरोप है कि 2005 में पंचकूला में एजेएल को एक औद्योगिक प्लॉट गैरकानूनी तरीके से दोबारा आवंटित किया गया। अप्रैल 2025 में पंचकूला की विशेष सीबीआई अदालत ने हुड्डा और एजेएल पर धारा 120-बी (आपराधिक साजिश), 420 (धोखाधड़ी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं 13(1) व 13(2) के तहत आरोप तय किए। ट्रायलपररोककैसे लगी? जुलाई 2021 में एजेएल की याचिका पर हाईकोर्ट ने ट्रायल पर अंतरिम रोक लगा दी थी। बाद में यह रोक कई बार बढ़ाई गई और हाल ही में 27 अक्टूबर 2025 तक के लिए लागू की गई। हालांकि, सीबीआई का कहना है कि हाईकोर्ट का चार साल पुराना आदेश अब सुनवाई को अनावश्यक रूप से लंबा कर रहा है। इसलिए एजेंसी ने रोक हटाने की मांग की है। हाईकोर्टमें सुनवाई सीबीआई की ओर से अधिवक्ता रवि कमल गुप्ता ने दलील दी कि रोक जारी रहने से केस आगे नहीं बढ़ पा रहा। अदालत ने दलीलों को संज्ञान में लेते हुए अगली सुनवाई 27 अक्टूबर 2025 को तय की है। कांग्रेस कनेक्शन सीबीआई का आरोप है कि यह प्लॉट एजेएल को कांग्रेस नेताओं, खासकर गांधी परिवार के प्रभाव में अवैध रूप से आवंटित किया गया था। एजेएल, जो नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करता है, गांधी परिवार से जुड़ी यंग इंडिया लिमिटेड के नियंत्रण में बताया जाता है।

ईडी का एक्शन : अंसल प्रॉपर्टीज को 10.55 करोड़ का झटका

गुरुग्राम(ब्यूरो) : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड पर बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने कंपनी से जुड़ी गुरुग्राम, ग्रेटर नोएडा और लुधियाना में स्थित छह अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है। इन संपत्तियों की कीमत लगभग 10.55 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

किस के नाम पर हैं संपत्तियां?

ईडी के मुताबिक, अटैच की गई संपत्तियां कंपनी से जुड़े निदेशकों और लाभार्थियों - सुशील अंसल, प्रणव अंसल एंड सन्स एचयूएफ और कुसुम अंसल - के नाम पर दर्ज हैं। यह मामला पर्यावरणीय कानूनों के गंभीर उल्लंघन से जुड़ा है।

आरोप : प्रदूषण नियंत्रण मानकों की अनदेखी हरियाणा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (HSPCB) ने कंपनी पर जल प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम, 1974 और वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम, 1981 के उल्लंघन के मामले दर्ज किए थे। इन्हीं शिकायतों के आधार पर ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA), 2002 के तहत जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि कंपनी के दो बड़े प्रोजेक्ट्स - 'सुषांत लोक फेज-1' और 'एसेंसिया' - में गंभीर अनियमितताएं की गईं। सुषांत लोक फेज-1: यहां सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) लगाया ही नहीं गया। एसेंसिया : यहां लगाया गया एसटीपी मानक क्षमता से काफी छोटा और अप्रभावी था।

जांच में क्या निकला सामने?

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि प्रोजेक्ट्स में लगे एसटीपी बिल्कुल निष्क्रिय छोड़ दिए गए थे और उनका संचालन-रखरखाव नहीं किया जा रहा था। ईडी के अनुसार, कंपनी ने बिना ट्रीटमेंट किए सीवेज और घरेलू अपशिष्ट सीधे HUDA की सीवर लाइन में छोड़ा, जिससे जनस्वास्थ्य और पर्यावरण पर गंभीर असर पड़ा। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, इस अवैध गतिविधि से कंपनी ने करीब 10.55 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। ईडी ने इस राशि को "प्रोसीड्स ऑफ क्राइम" (अपराध से अर्जित संपत्ति) घोषित किया है।

प्रमोटर्स की जिम्मेदारी पर सवाल

ईडी का कहना है कि कंपनी के प्रमोटर्स ने न तो प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मानकों का पालन किया और न ही गंदे पानी के ट्रीटमेंट की कोई गंभीर कोशिश। एजेंसी ने आरोप लगाया कि मुनाफे के लिए जानबूझकर पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी की गई और जनता की सेहत से खिलवाड़ किया गया।

आगे की कार्रवाई : एजेंसी ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई प्रारंभिक स्तर पर है और मामले की विस्तृत जांच अभी जारी है। ईडी अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गैरकानूनी कमाई से जुड़े अन्य लेन-देन और निवेश कहां किए गए।

हरियाणा सरकार फिर से लॉन्च करेगी CM सुशासन फेलोशिप

चंडीगढ़ (ब्यूरो) : हरियाणा सरकार एक बार फिर युवाओं की प्रतिभा और ऊर्जा को शासन में शामिल करने जा रही है। मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी फेलोशिप कार्यक्रम एक जनवरी 2026 से दोबारा शुरू होगा। यह योजना 2016 में शुरू की गई थी लेकिन पिछले दो वर्षों से बंद थी। पिछली बार 2022-23 में इस कार्यक्रम के लिए बैच चुना गया था।

युवाओं की शक्ति बनेगी शासन की ताकत : इस फेलोशिप का उद्देश्य देशभर के मेधावी युवाओं को राज्य की नीतियों और योजनाओं से जोड़ना है। चयनित युवाओं को जिले के उपायुक्त के साथ जोड़ा जाएगा और उन्हें एक योजना की जिम्मेदारी दी जाएगी। ये युवा उस योजना की निगरानी करेंगे, कमियां पहचानेंगे और उपायुक्त को फीडबैक देंगे। इस आधार पर प्रशासन योजनाओं को और मजबूत करेगा।

पहले से ज्यादा लाभ, अब मिलेगा 1 लाख रुपये : पहले इस फेलोशिप में 80 हजार रुपये मानदेय मिलता था, अब सरकार इसे बढ़ाकर 1 लाख रुपये प्रतिमाह कर रही है। इसके साथ आवास, यात्रा और मोबाइल भत्ता भी मिलेगा। राज्य सरकार इस कार्यक्रम से जुड़े युवाओं को बाद में अपने साथ भी जोड़ सकती है। वर्तमान में लगभग 27–28 फेलो शासन व्यवस्था में काम कर रहे हैं।

चयन प्रक्रिया और पात्रता

इस बार कुल 25 युवाओं का चयन किया जाएगा। इनमें 22 को जिलों में और 3 को मुख्यालय में तैनात किया जाएगा।

उम्र सीमा : अधिकतम 28 वर्ष

शैक्षिक योग्यता : किसी भी विषय में स्नातकोत्तर

भाषा ज्ञान : हिंदी का अच्छा ज्ञान अनिवार्य

कौशल : विश्लेषण क्षमता, मल्टीटास्किंग और टीम नेतृत्व चयनित युवाओं को एक महीने की ट्रेनिंग दी जाएगी, जिसके बाद उन्हें फील्ड में भेजा जाएगा।

देशभर में लोकप्रिय होती पहल

इस कार्यक्रम से जुड़े युवाओं ने पहले भी कृषि, शिक्षा, ई-गवर्नेंस, गरीबी उन्मूलन और सेवा वितरण जैसे क्षेत्रों में अहम योगदान दिया है। हाल ही में छत्तीसगढ़ सरकार ने भी इसी तरह की योजना शुरू की है, जिसमें हर महीने 50 हजार रुपये मानदेय दिया जाता है।

बाढ़ पीड़ित किसानों के लिए राहत पैकेज जारी

चंडीगढ़ (ब्यूरो): मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। उन्होंने ट्यूबवेल कनेक्शनों के बिजली बिलों का भुगतान दिसंबर तक स्थगित करने का निर्णय लिया है। इसके तहत जुलाई तक के बकाया बिल अब बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अगले साल जनवरी तक भरे जा सकेंगे। इस राहत से लगभग 7.1 लाख किसान लाभान्वित होंगे। मुख्यमंत्री ने विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी और विधायक रणधीर पनिहार के साथ मीडिया को जानकारी देते हुए फसली ऋण की वसूली स्थगित करने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि जिन गांवों में बाढ़ के कारण 50% से अधिक फसलें नष्ट हुई हैं और उन क्षेत्रों के ऋणी किसानों की फसल खराबी 33% या उससे अधिक है, वहां की सहकारी समितियों से खरीफ सीजन के चालू फसली ऋण की वसूली स्थगित की जाएगी। ऐसे किसानों को रबी सीजन के लिए नया फसली ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा। इस निर्णय से लगभग 3 लाख किसान लाभान्वित होंगे।

मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि भारी वर्षा और जलभराव से क्षतिग्रस्त मकानों, घरेलू सामान और मृत पशुओं के लिए प्रभावित 2,386 परिवारों के बैंक खातों में कुल 4.72 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं। कुल 2,371 मकानों को हुए नुकसान के लिए 4.67 करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की गई है, वहीं 13 मृत पशुओं के लिए 4.21 लाख रुपये वितरित किए गए हैं। सरकार ने नुकसान की भरपाई के लिए ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल 15 सितंबर तक खोला था, जिसमें 6,397 गांवों के 5.37 लाख किसानों ने 31 लाख एकड़ क्षेत्र का पंजीकरण कराया है। सत्यापन कार्य प्रगति पर है। पानी से फसलें खराब हुए क्षेत्रों में प्रति एकड़ 15,000 रुपये तक मुआवजा दिया जाएगा। धान किसानों के खातों में अब तक 109 करोड़ रुपये पहुंच चुके हैं। प्रदेश में 30 सितंबर तक पांच लाख टन धान की आवक हुई है, जिसमें से 3.58 लाख टन की खरीद पूरी हो चुकी है। 187 टन बाजरा सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा और 4,970 टन व्यापारियों से खरीदा गया है। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के तहत 2,775 रुपये प्रति क्विंटल का भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। यदि किसी किसान का बाजरा खराब होने के कारण व्यापारियों द्वारा कम मूल्य पर खरीदा जाता है, तो सरकार भावांतर दर के तहत भुगतान करेगी।

संपत सिंह ने कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष नियुक्ति पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (ब्यूरो)। कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष नियुक्ति को लेकर वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री संपत सिंह ने पार्टी के उच्च नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि एक साल की लंबी विचार-विमर्श के बाद भी वह बदलाव नहीं दिख रहा, जबकि लगातार पार्टी को नुकसान पहुंचाने वाले को फिर से जिम्मेदारी दे दी गई है। संपत सिंह ने अपने पोस्ट में बिना किसी का नाम लिए कहा कि स्वर्गीय चौधरी भजनलाल के नेतृत्व में 2005 में 67 सीटें जीतने के बाद लगातार पार्टी को नुकसान पहुँचाने वाले नेता को फिर से पार्टी सौंप दी गई है। उन्होंने सवाल उठाया कि युवाओं को आगे क्यों नहीं बढ़ाया जा रहा और इस नुकसान की भरपाई करना लगभग असंभव है। उनके इस बयान से पार्टी कार्यकर्ताओं में निराशा फैल गई है और जनता में अविश्वसनीयता की स्थिति बनी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि शीर्ष नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद युवाओं को जल्द ही प्रदेश की कमान सौंपी जाएगी। इससे पहले, 25 सितंबर को रोहतक में स्वर्गीय चौधरी देवीलाल की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भी संपत सिंह ने अपने संबोधन में बिना नाम लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा पर तंज कसा था। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने उन्हें रैली में जाने से मना किया था, लेकिन चौधरी देवीलाल के कार्यक्रम में जाना उनके लिए प्राथमिकता थी। संपत सिंह की यह प्रतिक्रिया पार्टी में नेता प्रतिपक्ष के चयन प्रक्रिया और नियुक्ति पर सीधे सवाल उठाने के रूप में देखी जा रही है।

भूपेंद्र यादव की अपील : पेड़ लगाएं, अरावली को मिलकर बचाएं

मानेसर। अरावली की हरी धरोहर को संरक्षित करने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज मानेसर स्थित राम मंदिर परिसर में 'राज्य स्तरीय वन्यजीव सप्ताह समारोह 2025' का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने की।

नागरिकों से हर रविवार ग्रीन अरावली अभियान में जुड़ने की अपील : केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुग्रामवासियों से आह्वान किया कि वे हर रविवार कम से कम एक घंटा ग्रीन अरावली अभियान को दें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की यह छोटी-सी पहल शहर को हरियाली बढ़ाने, प्रदूषण

कम करने और पर्यावरणीय संतुलन बनाने में बड़ी भूमिका निभा सकती है।

उन्होंने विश्वास जताया कि यदि हर नागरिक इस अभियान में भागीदारी निभाए तो गुरुग्राम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छ, हरित और विकसित शहर के रूप में पहचाना जाएगा।

"अरावली हमारी धरोहर है" : **राव नरबीर सिंह हरियाणा के वन मंत्री** : राव नरबीर सिंह ने कहा कि अरावली केवल पर्वतमाला ही नहीं, बल्कि ऋषि-मुनियों की तपस्थली और जैव विविधता का आधार भी है।

उन्होंने कहा कि वन्य जीव और पक्षी हमारे पर्यावरण का अभिन्न हिस्सा हैं, जिनकी सुरक्षा हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि पेड़ लगाना ही नहीं, बल्कि उनकी वर्षों तक देखभाल करना भी जरूरी है।

वृक्षा रोपण और नर्सरी का शिलान्यास : कार्यक्रम के दौरान 'नमो वन' में 750 पौधे लगाए गए और 500 एकड़ क्षेत्र में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ हुआ। साथ ही मानेसर के शनि मंदिर परिसर में अरावली स्पीशीज नर्सरी का शिलान्यास किया गया, जो स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण और पुनःरोपण का केंद्र बनेगी।

पुस्तकों का विमोचन और सम्मान समारोह : इस अवसर पर पर्यावरण और जैव विविधता से जुड़ी कई महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन किया गया, जिनमें "हरियाणा की वन्यजीव धरोहर", "हरियाणा के 75 सामान्य वृक्ष", "हरियाणा की 75 तितलियाँ" और "जटायु की कहानी – भारत के गिद्धों को बचाने की पहल" जैसी कृतियां शामिल रहीं। इसके अलावा वन्यजीव संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तियों व विभागीय अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में विधायक तेजपाल तंवर, एडीजी संतोष तिवारी, एसीएस सुधीर राजपाल, मुख्य वन्यजीव वार्डन डॉ. विवेक सक्सेना, पीसीसीएफ विनीत गर्ग सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

हरियाणा ट्रिपल मर्डर केस के शूटर दिल्ली एनकाउंटर में ढेर

नई दिल्ली (ब्यूरो)। राजधानी में आज सुबह गोलियों की तड़तड़ाहट से सनसनी फैल गई। दिल्ली पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने कालिंदी कुंज इलाके में गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण के दो शूटरों को एनकाउंटर में ढेर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल दोनों की हालत स्थिर बताई जा रही है। हरियाणाट्रिपलमर्डरकेसमें वांछितथे आरोपी पुलिस के मुताबिक दोनों बदमाश हरियाणा में हुए चर्चित ट्रिपल मर्डर केस में वांछित थे और लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय थे। काउंटर इंटेलिजेंस टीम को सूचना मिली थी कि ये शूटर न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके में देखे गए हैं। इसके बाद कालिंदी कुंज की पुस्ता रोड पर पुलिस ने जाल बिछाया।

फायरिंग कर भागने की कोशिश, पुलिस ने किया काबू : आज तड़के करीब 3 बजे दोनों संदिग्ध मोटरसाइकिल पर दिखाई दिए। रुकने का इशारा मिलने पर उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलियां चलाईं, जिससे दोनों शूटर घायल होकर काबू में आ गए।

गैंगस्टर नेटवर्क पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई : पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह एनकाउंटर राजधानी और आसपास के राज्यों में सक्रिय गैंगस्टर नेटवर्क को तोड़ने की चल रही मुहिम का हिस्सा है। गैंगस्टर रोहित गोदारा और वीरेंद्र चारण का नाम पहले भी कई गंभीर आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है।

तेज रफ्तार का कहर, यमुनानगर में ट्रकों की भीषण टक्कर

यमुनानगर (ब्यूरो)। जिले के साढौरा क्षेत्र के गांव सरांवा के पास आज सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। आमने-सामने भिड़े दो तेज रफ्तार ट्रकों में से एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक दोनों ट्रक तेज गति से आ रहे थे और सरांवा गांव से कुछ ही दूरी पर अचानक आमने-सामने टकरा गए। टक्कर की आवाज इतनी जोरदार थी कि आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे। दृश्य देखकर लोग दंग रह गए। एक चालक का शव बुरी तरह क्षत-विक्षत अवस्था में ट्रक में फंसा हुआ था, जबकि दूसरे चालक की दोनों टांगें टूट चुकी थीं। ग्रामीणों ने किसी तरह घायल को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल जगाधरी भेजा। पुलिस हादसे के कारणों की जांच कर रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर हादसे आम हो चुके हैं।

बावजूद इसके न तो भारी वाहनों की रफ्तार पर अंकुश लगाया गया है और न ही सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे हादसों पर रोक लगाने के लिए तुरंत ठोस कदम उठाए जाएं।

भीषण आग से घिरा गुरुग्राम का बिनौला औद्योगिक क्षेत्र

गुरुग्राम | बिनौला औद्योगिक क्षेत्र में कपड़ों के एक बड़े वेयरहाउस में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के इलाकों से काले धुएं का गुबार दिखाई देने लगा। सूचना मिलने के बाद फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग की स्थिति फायर अधिकारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि वेयरहाउस में हजारों मीट्रिक टन कपड़े जमा थे, जिससे आग तेजी से फैल गई। फिलहाल किसी के फंसे होने या हताहत होने की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जांच में आग शॉर्ट सर्किट या इलेक्ट्रिकल फॉल्ट के कारण लगी होने की संभावना जताई जा रही है। राहत और बचाव कार्य फायरमैनों ने पानी की तेज बौछारों से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन शुरुआती घंटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। आसपास की फैक्ट्रियों

को अलर्ट कर दिया गया है और सुरक्षा के लिए यातायात डायवर्ट किया गया। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए प्रयास जारी हैं और विस्तृत नुकसान का आंकलन किया जा रहा है।

यूनिवर्सिटी के कांट्रेक्ट शिक्षकों को भी मिले जॉब सिक्योरिटी, हुक्टा ने सीएम से मुलाकात कर सौंपा मांग-पत्र

नई दिल्ली (ब्यूरो)। हरियाणा यूनिवर्सिटी कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स एसोसिएशन (हुक्टा) ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मुलाकात कर मांग रखी कि सरकारी विश्वविद्यालयों में वर्षों से कार्यरत लगभग 1400 अनुबंधित असिस्टेंट प्रोफेसरों की सेवा-सुरक्षा का कानून आगामी शीतकालीन सत्र में पारित किया जाए। एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. विजय मलिक और डॉ. कर्मवती यादव ने संयुक्त बयान में कहा कि सेवा-सुरक्षा कानून का मसला पिछले साल शीतकालीन सत्र से लंबित है। मुख्यमंत्री ने तब जॉब सिक्योरिटी का वायदा किया था, लेकिन अभी तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई। यह मामला शिक्षा विभाग की फाइल संख्या 18/197-2023 यूएनपी (1) से संबंधित है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उच्च स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेजी जा चुकी है। साथ ही, प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों से कुलसचिवों द्वारा मांगी गई जानकारी भी विभाग को भेज दी गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शिक्षकों को भरोसा दिलाया कि विश्वविद्यालयों से संबंधित सभी जानकारियां शिक्षा विभाग ने प्राप्त कर ली हैं और अब जल्द ही अनुबंधित शिक्षकों को सेवा-सुरक्षा प्रदान कर रोजगार की गारंटी दी जाएगी। इस अवसर पर एमडीयू रोहतक से पुलकित, डॉ रवीश, डॉ विश्वास मलिक, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां से डॉ विजय मलिक, डॉ अमित, संदीप और आइजीयू रेवाड़ी से डॉ कर्मवती सहित कई अनुबंधित शिक्षक उपस्थित रहे।

दशहरे का पर्व, जानिए इतिहास और महत्व

दशहरा या विजयदशमी भगवान राम की विजयी के रूप में मनाया जाता है। उत्तर भारतीय राज्यों में इस पावन पर्व को दशहरा तो वहीं पश्चिम बंगाल में इसे विजयदशमी कहा जाता है। हिंदू धर्म में दशहरा का पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक में मनाया जाता है। माना जाता है कि इस दिन भगवान राम ने लंकापति रावण का वध किया था। इसी कारण हर साल इस दिन को मनाते हैं। दशहरा के समय भव्य रामलीला होने का साथ रावण के पुतले को जलाने का भी विधान है। पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को दशहरा पर्व को मनाया जाता है। इस साल दशहरा 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा और इस दिन देश भर में जगह-जगह पर रावण के पुतले जलाए जाएंगे। तो आइए आपको बताते हैं इस त्योहार को मनाने के पीछे का इतिहास और महत्व।

इतिहास

बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा असल में दो कहानियों से जुड़ा हुआ है। शारदीय नवरात्र की दशमी तिथि के दिन मां दुर्गा ने चंडी रूप धारण करके महिषासुर नामक असुर का वध किया था। मां दुर्गा ने लगातार 9 दिनों तक महिषासुर और उसकी सेना से युद्ध किया था और 10वें दिन महिसाषुर का अंत कर विजय प्राप्त की थी। इसी दिन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने रावण का वध किया था।

राम ने 9 दिन तक मां दुर्गा की उपासनी की और 10वें दिन रावण पर विजय प्राप्त की, इसलिए इस त्योहार को विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है। रावण के बुरे कर्मों पर राम की अच्छाई की जीत हुई थी और बुराई पर अच्छाई की जीत के त्योहार के रूप में दशहरा को मनाते हैं। इस दिन रावण के साथ उनके पुत्र मेघनाद और भाई कुंभकरण के पुतले को भी फूंका जाता हैं।

महत्व

विजयदशमी विजय का दिन है। कुछ लोग इस दिन को रामायण संघर्ष से भी जोड़ते हैं। अन्य लोग इसे राक्षसी महिषासुर पर देवी दुर्गा की विजय को याद करने के लिए मनाते हैं। देश के कुछ क्षेत्रों में दशहरा, दिवाली महोत्सव के रूप में भी मनाते है। दशहरा के बीस दिन बाद दिवाली है। रावण पर अपनी जीत के बाद भगवान राम 14 साल के वनवास के बाद घर लौटे थे।

इस दौरान अयोध्यावासियों ने घी के दीये जलाकर उनका स्वागत किया था। इसी दिन के बाद से दिवाली को त्योहार के तौर पर मनाया जाने लगा। हालांकि, दशहरा त्योहार का मुख्य संदेश बुराई पर अच्छाई की जीत का है और इस दिन लोग समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना करते हैं।

उत्सव

नौ दिनों के नवरात्रि के बाद देश में दशहरा का पर्व बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। दशहरा के दिन लोग रावण का वध देखने और मेला घूमने के लिए आस-पास की जगहों पर जाना पसंद करते हैं। दशहरा का आयोजन देश के लगभग हर शहरों में किया जाता है। रावण के अलावा मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों को भी जलाया जाता है। भक्त दशमी पर मां दुर्गा की विदाई की कामना कर उनका विसर्जन भी करते है।

इन जगहों पर नहीं होता रावण का दहन, बहुत ही खास है वजह

दशपुर था, उसे रावण की पत्नी मंदोदरी का मायका माना जाता है। इस प्रकार मंदसौर में रावण को दामाद के रूप में जाना जाता है। ऐसे में यहां के लोग रावण को 'दामाद' मानकर उसका दहन नहीं करते, बल्कि पूजा करते हैं।

यहां स्थित है मंदिर

उत्तर प्रदेश के बिसरख में भी रावण दहन नहीं किया जाता। जिसका कारण यह है कि इस स्थान को रावण के ननिहाल के रूप में देखा जाता है। महाकाव्य रामायण में इस बात का वर्णन किया गया है कि रावण का जन्म यहीं हुआ जाता है। बिसरख में लंकापति का एक मंदिर भी स्थापित है, जहां दशहरे के दिन रावण की पूजा-अर्चना होती है।

इन स्थानों पर भी होती है पूजा

महाराष्ट्र के अमरावती जिले के गढ़चिरौली में आदिवासी समुदाय के लोग रावण की पूजा करते हैं। यहां रावण को कुल देवता के रूप में पूजा जाता है। यही कारण है कि इस स्थान पर दशहरे के दिन रावण दहन नहीं किया जाता। वहीं हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के बैजनाथ में भी रावण की पूजा-अर्चना की जाती है।

जिसके पीछे लोगों की मान्यता है कि रावण ने यहां भगवान शिव की कठोर तपस्या की थी। इसी के साथ महाकाल की नगरी उज्जैन में भी रावण को शिवभक्त के रूप में देखा जाता है और उसकी पूजा की जाती है। यहां कई लोग दशहरा के दिन व्रत और हवन भी करते हैं।

बुराई पर अच्छाई के पर्व विजया दशमी पर देश भर में अलग अलग जगहों पर रावण के पुतला का दहन किया जाता हो। लेकिन मथुरा में लंकेश भक्त मंडल के सदस्य न केवल रावण की पूजा अर्चना करते हैं बल्कि पुतला दहन करने का भी विरोध करते हैं। सारस्वत समाज से जुड़े इन लोगों का कहना है कि जिस तरह हर वर्ष रावण के पुतला को जलाया जाता है वह गलत है अगर जलाना ही है तो अपने अंदर की बुराई को जलाओ।

यमुना किनारे करते हैं पूजन

मथुरा में यमुनापार यमुना किनारे पर स्थित दशानन रावण का मंदिर। भगवान शिव के साथ विराजमान किए गए लंकेश का लंकेश भक्त मंडल प्रतिवर्ष पूजन करता है। सारस्वत ब्राह्मण समाज के भक्त दशहरा पर लंकेश की पूजा अर्चना करने के साथ ही रावण के पुतले का दहन करने का विरोध करते हैं। यमुना किनारे बने शिव मंदिर में भगवान शिव के साथ-साथ रावण की भी पूजा अर्चना की जाती है।

लंकेश भक्त मंडल के सदस्य ओमवीर सारस्वत एडवोकेट का कहना है कि रावण भगवान महादेव के परम भक्त थे और वह त्रिकालदर्शी भी थे। इसीलिए वह उनका पूजन करते हैं, उन्होंने कहा कि भगवान शिव की पूजा करने वाले दशानन के स्वरूप को हम नमन करते हैं। प्रकांड विद्वान होने के नाते हम सबका धर्म है कि हम इस तरह से पुतला दहन न करें, हम इसका विरोध करते हैं। जिस तरह से एक विद्वान को हर वर्ष जलाया जाता है यह समाज के लिए घातक है, अगर जलाना है कुछ तो अपने अंदर छुपे रक्षक का वध करो बुराइयों का त्याग करो।

मथुरा के राजा मधु की पत्नी थी रावण की बहन

रावण के छह भाई और दो बहन थीं। इनमें रावण की बहन कुम्भनी मथुरा के राजा मधु राक्षस की पत्नी और लवणासुर की मां थी। इसके साथ ही रावण ब्राह्मणों के सारस्वत गोत्र से थे। यही वजह है कि यहां सारस्वत ब्राह्मण समाज के लोग रावण की पूजा हर बार करते हैं। ओमवीर सारस्वत एडवोकेट का मानना है कि रावण के पास बहुत ही अद्भुत शक्तियां थीं। हमारे समाज में महाराज रावण के खिलाफ भ्रांतियां पैदा हो गई हैं। हम रावण का पुतला दहन करने का विरोध करते हैं।

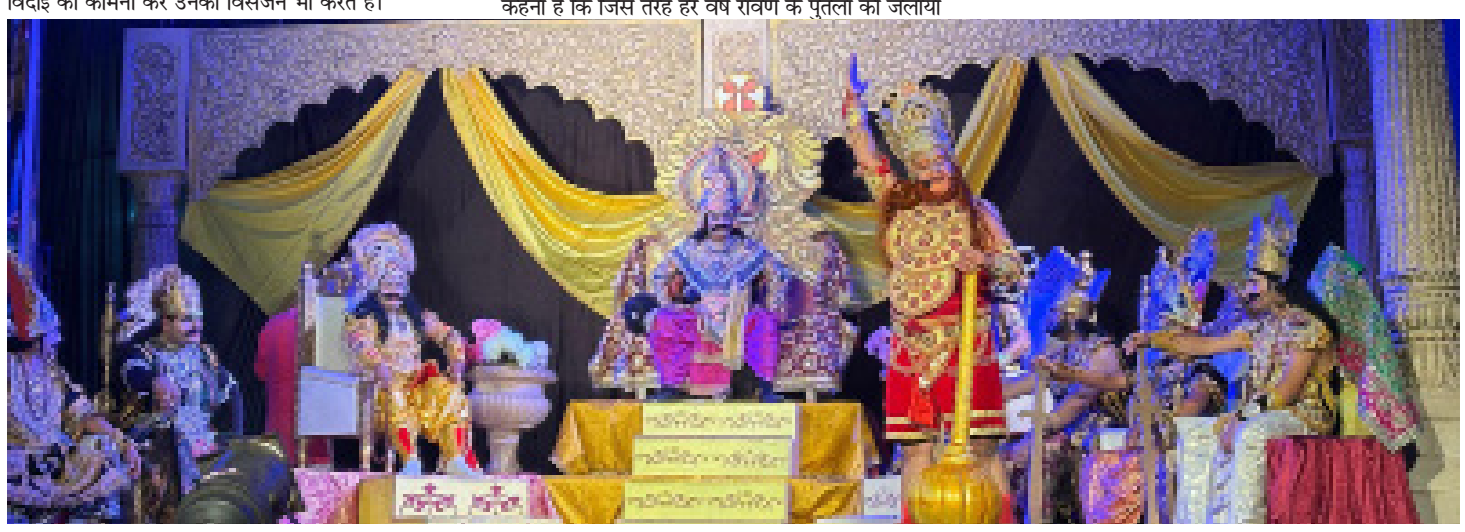

दशहरा के दिन घर के इन प्रमुख स्थान में जलाएं दीपक

दशहरा का पर्व हर साल लोग पूर्ण भक्ति के साथ मनाते हैं। यह दिन धन की देवी माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसा कहते हैं कि इस दिन सही स्थानों पर दीपक जलाने से घर की नकारात्मकता दूर होती है, तो आइए इस आर्टिकल में उन चम्कारी उपाय के बारे में जानते हैं।

दीपक से जुड़े उपायः
घर का मुख्य द्वार

घर के मुख्य द्वार को सकारात्मक ऊर्जा और मां लक्ष्मी के आगमन का द्वार माना जाता है। यहां दीपक जलाने से राहु के बुरे प्रभाव से मुक्ति मिलती है। साथ ही जीवन में शुभता आती है।

शमी पेड़ के नीचे

शमी के पेड़ को विजय, सौभाग्य और धन का प्रतीक माना जाता है। माना जाता है कि भगवान राम ने लंका जाने से पहले शमी वृक्ष की पूजा की थी। ऐसे में दशहरे की शाम को शमी के पौधे के पास घी का दीपक जरूर जलाएं। ऐसा करने से कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलती है।

घर का पूजा स्थान

घर के पूजा स्थान पर घी का एक अखंड दीपक जलाएं, जो रात भर जलता रहे। ऐसा कहा जाता है कि ऐसा करने से जीवन में सुख और शांति बनी रहती है। साथ ही शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

तुलसी का पौधा

तुलसी के पौधे को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। दशहरे के दिन शाम को तुलसी के पौधे के नीचे घी का दीपक जरूर जलाना चाहिए। इससे घर में शुभता का आगमन होता है और आर्थिक तंगी दूर होती है।

पूजन मंत्र

ॐ राम ॐ राम ॐ राम
ह्रीं राम ह्रीं राम श्रीं राम श्रीं
राम - क्लीं राम क्लीं राम। फ़ट् राम फ़ट् रामाय नमः।।
लोकाभिरामं रणरंगधीरं राजीवनेत्रं रघुवंशनाथम्। कारुण्यरूपं करुणाकरं तं श्रीरामचन्द्रं शरणं प्रपद्ये॥ -- आपदामपहर्तारं दातारं सर्वसम्पदाम्। लोकाभिरामं श्रीरामं भूयो भूयो नमाम्यहम्।।

दशहरा के दिन जरूर करें इन चीजों का दान, दुख-दरिद्रता से मिलेगा छुटकारा

शहरा यानी विजयादशमी का पर्व बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। इसी दिन ही भगवान राम ने रावण का वध किया और मां दुर्गा ने महिषासुर का संहार किया था। इस शुभ दिनपर लोग पूजा-पाठ, शस्त्र पूजा और रावण दहन के साथ ही दान-पुण्य आदि जैसे अनुष्ठान करते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विजयादशमी के दिन किया गया दान व्यक्ति को अक्षय फल देता है, तो आइए इस आर्टिकल में जानते हैं, इस दिन क्या दानकरना शुभ माना जाता है?

करें इन चीजों का दान
अन्न और वस्त्र का गुप्त दान

शास्त्रों के अनुसार, इस दिन गुप्त दान को सबसे शुभ माना गया है। इस दिन किसी रूरतमंद, गरीब या ब्राह्मण को अन्न और वस्त्र का दान करना चाहिए। ऐसा करने से घर की दरिद्रता दूर होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

झाड़ू का दान

झाड़ू को धन का प्रतीक माना जाता है। यह घर से दरिद्रता और नकारात्मकता ऊर्जा को दूर करता है। विजयादशमी के दिन किसी धार्मिक स्थान या रूरतमंद को नई झाड़ू का दान करने से घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

पीले वस्त्र और मिठाई

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, दशहरे पर पीले वस्त्रों का दान करना बेहद शुभ होता है। ऐसा कहा जाता है कि इससे कारोबार में आ रही रुकावटें दूर होती हैं और करियर में उन्नति मिलती है।

सुहाग की सामग्री

सुहागिन महिलाओं को इस दिन श्रृंगार की सामग्री का दान करना चाहिए। इससे मां दुर्गा और मां लक्ष्मी की कृपा मिलती है। साथ ही पारिवारिक जीवन में खुशहाली और समृद्धि आती है।

दान करते समय इन बातों का रखें ध्यान

दान हमेशा ब्राह्मणों, साधुओं, या जरूरतमंद लोगों को ही करना चाहिए।

इस दिन नुकीली या धारदार चीजें और चमड़े से बनी वस्तुओं का दान करने से बचना चाहिए, क्योंकि इन्हें अशुभ माना जाता है।

दान करने के बाद किसी को नहीं बताना चाहिए।
दान करते समय घमंड नहीं करना चाहिए।

एक हफ्ते तक क्यों मनाया जाता है कुल्लू दशहरा ?

देशभर में दशहरे का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है, लेकिन हिमाचल के कुल्लू का दशहरा पूरे विश्व भर में प्रसिद्ध है। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा कई मायनों में खास है। यहां दशहरें के दौरान ना रामलीला, होता है ना रावण, मेघनाथ, कुंभकरण के पुतले जलाए जाते हैं और ना ही आतिशबाजी होती है। इस दशहरे की कहानी और हिमाचल की देव परंपराएं इसे सबसे अलग और सबसे खास होती है।
दशहरा खत्म होने के बाद 7 दिन का कुल्लू दशहरा
ये इस दशहरे की सबसे खास बात है। देशभर में विजय दशमी या दशहरा खत्म होने के बाद कुल्लू का दशहरा शुरू होता है और एक हफ्ते तक चलता है। हर साल मनाया जाने वाला कुल्लू दशहरा अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि से शुरू होकर एक हफ्ते तक चलता है। इस बार कुल्लू दशहरे का आगाज 2 अक्टूबर को और समापन 8 अक्टूबर को होगा। ये दशहरा कुल्लू के मुख्य देवता भगवान रघुनाथ जी को समर्पित है।

7 दिन तक क्यों मनाते हैं दशहरा ?

दरअसल इस सवाल का जवाब भी रामायण में है। कुल्लू के रघुनाथ मंदिर के मुख्य छड़ीबरदार और पूर्व सांसद महेश्वर सिंह बताते हैं कि "दशहरा या विजय दशमी के दिन भगवान राम ने रावण को मारा लेकिन रावण की मृत्यु इस दिन नहीं हुई थी। कहते हैं कि विजयदशमी के दिन भगवान राम ने रावण की नाभि पर तीर मारा था और रावण की सेना पर जीत हासिल की थी। तब से लेकर पूरे भारत में विजयदशमी का त्योहार मनाया जाता है, लेकिन रावण की मृत्यु विजयदशमी के 7 दिन के बाद हुई थी। इसीलिए कुल्लू का विश्व प्रसिद्ध दशहरा 7 दिन तक मनाया जाता है।

रावण महान शिव भक्त होने के साथ-साथ महाज्ञानी और पंडित था। रावण को शास्त्रों से लेकर वेदों और राजनीति से लेकर संगीत तक का ज्ञान था। कहते हैं कि रावण जब मृत्यु शय्या पर था तो भगवान राम ने लक्ष्मण को शिक्षा लेने के लिए भेजा था। महेश्वर सिंह बताते हैं कि बाण लगने के बाद इन अंतिम 7 दिनों में ही लक्ष्मण ने रावण से शिक्षा ली थी।

364 साल से भी पुराना है इतिहास

इस साल कुल्लू दशहरे 364 साल का हो जाएगा। साल 1660 में पहली बार कुल्लू दशहरा मनाया गया था लेकिन इसके मनाने की वजह इससे भी कई साल पहले की है। तब इस कुल्लू में राजा जगत सिंह का राज हुआ करता था। 17वीं शताब्दी में कुल्लू दशहरे की शुरुआत करने का श्रेय भी राजा जगत सिंह को ही जाता है।

सबसे दिलचस्प कहानी

बताया जाता है कि दामोदर दास जब अयोध्या से मूर्ति को चुराकर हरिद्वार पहुंचे तो पीछा कर रहे अयोध्या के पुजारियों ने उन्हें पकड़ लिया और उनकी पिटाई के बाद उनसे मूर्तियां छीन लीं। जब अयोध्या के पंडित मूर्ति को वापस ले जाने लगे तो वो इतनी भारी हो गई कि कई लोग मिलकर भी इन मूर्तियों को नहीं उठा सके। वहीं जब इन्हें पंडित दामोदर ने उठाया तो मूर्ति फूल के समान हल्की हो गई। ऐसे में पूरे प्रकरण को स्वयं भगवान रघुनाथ की लीला जानकार अयोध्या के पुजारियों ने मूर्तियों को कुल्लू लाने दिया।

'कुल्लू में मौजूद भगवान रघुनाथ और माता सीता की मूर्तियों को भगवान रघुनाथ जी ने अश्वमेध यज्ञ के समय अपने हाथों से बनाया था. कहते हैं कि इन मूर्तियों के दर्शन के बाद राजा का रोग खत्म हो गया था. स्वस्थ होने के बाद राजा ने अपना जीवन और राज्य भगवान रघुनाथ को समर्पित कर दिया और इस तरह से यहां दशहरे की शुरुआत हुई.'

लक्ष्मण नहीं लेकिन हनुमान साथ हैं
कुल्लू के रघुनाथ मंदिर में भगवान रघुनाथ और सीता माता की मूर्तियां तो हैं लेकिन लक्ष्मण की मूर्ति यहां मौजूद नहीं है।बाद में मंदिर में जरूर हनुमान जी की मूर्ति को भी रखा गया है। मान्यता है कि रघुनाथ और सीता की मूर्ति को त्रेता युग में अश्वमेध यज्ञ के दौरान भगवान राम ने अपने हाथों से बनाया था। मान्यता है कि इस यज्ञ में पति-पत्नी को बैठना होता है लेकिन अश्वमेध यज्ञ के वक्त सीता माता वन में थी तो भगवान राम ने यज्ञ के लिए ये मूर्तियां बनाई थी।
'भगवान रघुनाथ के सम्मान में 1660 से दशहरा उत्सव का आयोजन किया जाने लगा। अयोध्या से लाई गई भगवान रघुनाथ की मूर्ति को पालकी (रथ) में बिठाकर ढालपुर के रथ मैदान में लाया जाता है और उसके बाद भगवान रघुनाथ की रथ यात्रा शुरू की जाती है. ऐसे में 7 दिनों तक भगवान रघुनाथ ढालपुर में अपने अस्थाई शिविर में विराजमान रहते हैं और हजारों की संख्या में लोग उनके दर्शन करते हैं।'

350 देवी देवताओं को भेजा जाता है न्योता

कुल्लू दशहरा उत्सव हिमाचल की देव संस्कृति का प्रतीक है।कुल्लू घाटी के 350 से अधिक देवी देवताओं को निमंत्रण भेजा जाता है। कई सौ किलोमीटर से देवताओं के रथ कुल्लू के ढालपुर मैदान में पहुंचते हैं।'दशहरा उत्सव से पहले मेले में हिस्सा लेने आए देवी देवता भगवान रघुनाथ के दर्शनों के लिए मंदिर पहुंचते हैं। जहां पर देवी-देवताओं का नाम दर्ज किया जाता है और उसके बाद वह अपने-अपने अस्थाई शिविरों में विराजमान हो जाते हैं।'
हिमाचल को देवभूमि क्यों कहते हैं इसकी एक झलक कुल्लू दशहरे में भी मिल जाती है। इसे देवी देवताओं का वार्षिक सम्मेलन भी कहा जाता है। कुल्लू दशहरा हिमाचल की देव और लोक संस्कृति का प्रतीक है। इस दौरान सभी स्थानीय देवी-देवताओं का ढोल-नगाड़ों की धुनों पर देव मिलन होता है और सांस्कृतिक संध्याओं में स्थानीय और देश-विदेश की संस्कृति की झलक देखने को मिलती है।

माता हिडिंबा से है खास नाता

कुल्लू का राजपरिवार ही हर साल कुल्लू दशहरे के आगाज की औपचारिकताएं निभाता है। दशहरा भले त्रेता युग से जुड़ता है लेकिन कुल्लू दशहरे में द्वापर युग की झलक भी मिलती है। पर्व के पहले दिन दशहरे की देवी, मनाली की हिडिंबा माता कुल्लू आती हैं। हिडिंबा (महाभारत में भीम की पत्नी) कुल्लू राजघराने की कुलदेवी हैं. कुल्लू के प्रवेशद्वार पर उनका स्वागत किया जाता है और राजसी ठाठ-बाट से राजमहल में उनका प्रवेश होता है। इसके उपरांत ढालपुर में मैदान में हिडिंबा का प्रवेश होता है. हिडिंबा देवी के आदेश के साथ ही कुल्लू दशहरे की शुरुआत होती है।
पहाड़ के विभिन्न रास्तों से घाटी में आते हुए देवताओं के इस अनुष्ठान को देख लगता है कि सभी देवी-देवता स्वर्ग का द्वार खोल कर धरती पर आनंदोत्सव मनाने आ रहे हैं।इस दौरान रंग बिरंगी पालकियों (देवरथ) में सभी देवी देवताओं की मूर्तियों को रखा जाता है और रथ यात्रा निकाली जाती है।

यहां लंका दहन होता है लेकिन रावण दहन नहीं

कुल्लू दशहरे में ना रामलीला होती है और ना ही रावण दहन होता है लेकिन लंका दहन होता है। लेकिन कुल्लू दशहरे के लंका दहन का रावण की लंका जलाने जैसा कुछ नहीं होता। दशहरे के पहले दिन रथ यात्रा के साथ कुल्लू दशहरा शुरू होता है और भगवान रघुनाथ के रथ को ढालपुर मैदान के पास अस्थायी शिविर में लाया जाता है। कुल्लू दशहरा उत्सव में सातवें दिन लंका दहन किया जाता है। वहीं, लंका दहन के दिन निकलने वाली रथ यात्रा में माता हिडिंबा का रथ सबसे आगे चलता है।

महात्मा गांधी -लाल बहादुर शास्त्री जयंती पर शिमला ने किया नमन

» दशहरे पर बुराइयों के अंत का संकल्प

शिमला, (द समर न्यूज) : राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती देशभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। शिमला में भी इस अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने दोनों महान विभूतियों को याद किया और उनकी प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की।

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि आज का दिन देश के लिए विशेष है, क्योंकि आज ही दो ऐसे महान सपूत जन्मे जिन्होंने भारत को नई दिशा दी। महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए देश को आजादी दिलाई और जीवनभर सादगी का संदेश दिया। वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने "जय जवान जय किसान" का नारा देकर देश को आत्मनिर्भरता की राह दिखाई। राज्यपाल ने दशहरे की शुभकामनाएं भी दीं और कहा कि आज के दिन समाज से बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का जीवन देशवासियों के लिए प्रेरणा स्रोत है। गांधी जी ने विदेशी शिक्षा प्राप्त करने के बावजूद सरल जीवन चुना और सत्य व अहिंसा से आजादी की लड़ाई लड़ी।

वहीं शास्त्री जी ने कठिन परिस्थितियों में देश को आत्मनिर्भर बनाने की राह दिखाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके सिद्धांतों पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने बढ़ते नशे पर चिंता जताते हुए कहा कि प्रदेश में इसके खिलाफ कड़ा अभियान चलाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दशहरे की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पर्व अच्छाई की जीत और बुराई के अंत का संदेश देता है। इससे पहले जिला प्रशासन की ओर से गांधी जयंती पर प्रभात फेरी का आयोजन किया गया, जो सीटीओ से लोअर बाजार होते हुए रिज तक निकाली गई।

छोटी काशी ने प्रभात फेरी निकालकर और भजन गाकर याद किए बापू

» मंडी में गांधी जयंती पर किया गया प्रभात फेरी का आयोजन » राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके दी गई श्रद्धांजलि » फ्री मेडिकल कैंप का भी हुआ आयोजन, जांचा गया लोगों का स्वास्थ्य

» सभी से राष्ट्रपिता के बताए मार्ग पर चलने का किया गया आहवान

मंडी, (द समर न्यूज़) - छोटी काशी मंडी में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर प्रभात फेरी निकालकर और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें याद किया गया। प्रभात फेरी में प्रशासनिक अधिकारियों सहित स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। शहर भर में ''रघुपति राघव राजा राम'' और भारत मां का स्तुतिगान करके बापू को याद किया गया। इसके बाद गांधी चौक पर स्थित बापू की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रशासन की तरफ से नगर निगम मंडी के कमीशनर रोहित राठौर और एसडीएम सदर रूपींदर कौर मौजूद रही। इसके बाद गांधी भवन मंडी में सर्व धर्म सभा का आयोजन भी किया। यहीं पर गांधी भवन मैनेजमेंट सोसायटी के सौजन्य और स्वामी पूर्णानंद मेमोरियल आयुर्वेद चिकित्सायल के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य की जांच के लिए कैंप का आयोजन भी किया गया था जिसमें लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई और टेस्ट भी करवाए। नगर निगम मंडी के कमीशनर रोहित राठौर ने कहा कि महात्मा गांधी के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने सत्य और अहिंसा का जो मार्ग समाज को दिखाया है आज सही मायनों में उस पर चलने की जरूरत है। गांधी भवन मैनेजमेंट सोसायटी के अध्यक्ष आकाश शर्मा ने कहा कि राष्ट्रपिता ने समाज को जो सीख है वैसी सीख विरले लोग ही दे पाते हैं। वो एक ऐसी महान सखशियत थे जिन्होंने एक संत की तरह देश की सेवा की। वकालत करने के बाद जब वापिस देश लौटे तो यहां के हालातों के अनुसार अपने जीवन को परिवर्तित किया और देश को आजादी दिलाने में अपनी अहम भूमिका निभाई। आज यदि सभी उनके बताए मार्ग पर चलते हैं तो यही उन्हें सबसे सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

तीसा में अब मिलेगी अल्ट्रासाउंड सुविधा, गर्भवती महिलाओं को नहीं जाना होगा 70 किमी दूर चंबा

चंबा, (द समर न्यूज) : चुराह विधानसभा क्षेत्र के एकमात्र नागरिक अस्पताल तीसा में अब गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड की सुविधा मिलने जा रही है। यहां लंबे समय से रेडियोलॉजिस्ट की कमी के चलते महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए 70 किलोमीटर दूर चंबा नागरिक अस्पताल जाना पड़ता था। इससे महिलाओं को समय और पैसों की परेशानी उठानी पड़ती थी। सरकार द्वारा छह महीने का विशेष रेडियोलॉजी कोर्स करवाए गए डॉक्टर को अब नागरिक अस्पताल तीसा में तैनात किया गया है। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर गर्भवती महिलाओं के अल्ट्रासाउंड की सुविधा शुरू हो गई है।नागरिक अस्पताल तीसा के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषि पुरी ने बताया कि सरकार ने छह महीने का रेडियोलॉजिस्ट कोर्स करवाकर डॉक्टरों को तैयार किया है। ऐसे ही एक डॉक्टर ने अब तीसा अस्पताल में ज्वाइन किया है। इसके बाद अब महिलाओं को अल्ट्रासाउंड के लिए चंबा नहीं जाना पड़ेगा और जांचें तीसा में ही हो जाएंगी।"

धर्मशाला में फिट इंडिया फिट रन, 35 प्रशिक्षु खिलाड़ियों ने दिया फिटनेस का संदेश

धर्मशाला (राहुल चावला)

भारत सरकार के खेल मंत्रालय से प्रमाणित धर्मशाला स्थित राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण (SAI) के बैनर तले प्रशिक्षण हासिल कर रही देशभर की लड़कियों ने फिट इंडिया फिट अभियान के तहत आज पैदल रन आयोजित किया। यह यात्रा SAI हॉस्टल से शुरू होकर गांधी वाटिका में समाप्त हुई। इस दौरान प्रशिक्षु खिलाड़ी प्रशासन द्वारा निकाली गई प्रभात फेरी का भी हिस्सा बनीं।इस मौके पर जानकारी साझा करते हुए NCOE के असिस्टेंट डायरेक्टर जेपी शानी ने बताया कि भारत सरकार के खेल मंत्रालय का मकसद है कि देश में स्वास्थ्य, स्वच्छता और खेलों को अधिक से अधिक बढ़ावा दिया जाए। इसी उद्देश्य के तहत फिट इंडिया फिट अभियान चलाया जा रहा है।उन्होंने बताया कि केंद्र की करीब 35 प्रशिक्षु खिलाड़ी लड़कियों ने इस रन में भाग लेकर देश के युवाओं को यह संदेश दिया कि स्वस्थ और लंबी जिंदगी के लिए दौड़ना बेहद जरूरी है।

विजयदशमी पर शिमला के कालीबाड़ी मंदिर में खेली गई सिंदूर की होली, नृत्य और उल्लास से गूंजा वातावरण

शिमला, (द समर न्यूज) -हिमाचल प्रदेश के प्रसिद्ध मंदिरों में से एक शिमला का कालीबाड़ी मंदिर विजयदशमी के दिन रंगों और भक्ति से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर बंगाली परंपरा के अनुसार सिंदूर की होली खेली गई। विवाहित महिलाओं ने मां दुर्गा को विदाई देने से पहले सिंदूर चढ़ाया और नृत्य के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। छठे नवरात्र से मंदिर में मां दुर्गा, मां लक्ष्मी, मां सरस्वती, भगवान गणेश और भगवान कार्तिकेय की प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। लगातार नौ दिनों तक माता की पूजा-अर्चना होती है और दशमी के दिन प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाता है। इससे पहले मां की विदाई 'सिंदूर की होली' के साथ की जाती है।आज के कार्यक्रम में महिलाओं ने परंपरागत तरीके से सिंदूर की होली खेली और मां दुर्गा को विदाई दी। इस मौके पर बंगाली महिलाओं ने नृत्य प्रस्तुत कर वातावरण को और भी भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया। महिलाओं ने बताया कि "सिंदूर की होली"विजयदशमी पर होने वाला एक पारंपरिक बंगाली उत्सव है। इसमें विवाहित महिलाएँ मां दुर्गा को सिंदूर चढ़ाकर सौभाग्य, खुशहाली और पति की लंबी आयु की कामना करती हैं। यह रस्म समाज में एकता और सौहार्द का प्रतीक भी मानी जाती है।

सोलन पुलिस की बड़ी कार्रवाई, फर्ज़ी पहचान पत्र घोटाले में आर्मी अधिकारी गिरफ़्तार

सोलन, (द समर न्यूज) : हिमाचल प्रदेश के सोलन ज़िले के डगशाई से जुड़े फर्ज़ी दस्तावेज़ मामले में पुलिस ने एक लेफ्टिनेंट कर्नल को देहरादून से गिरफ़्तार किया है। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद तीन दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। सोलन के पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने बताया कि डगशाई में तैनात एक सैन्य अधिकारी की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई। शिकायत में कहा गया था कि यूनिट के ही लेफ्टिनेंट कर्नल अभय पिसल ने फर्ज़ी पहचान पत्र तैयार करवाए हैं।जाँच में सामने आया कि इन दस्तावेज़ों में ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड और सशस्त्र बल पहचान पत्र शामिल हैं। इन पर अभय पिसल की तस्वीर लगी हुई थी, लेकिन नाम 'ताहिर मुस्तफ़ा' और 'विजय सिंह' लिखा गया था।इसके अलावा, आरोपी के पास से एक बिना लाइसेंस वाली 12 बोर की सिंगल बैरल बंदूक भी बरामद हुई। पुलिस के अनुसार, बंदूक पर न तो कंपनी का निशान था और न ही कोई सीरियल नंबर। गौरतलब है कि 23 अगस्त, 2023 को 95 इन्फैंट्री ब्रिगेड मुख्यालय के आदेश पर गठित बोर्ड ने आरोपी से बंदूक और संदिग्ध सरकारी दस्तावेज़ ज़ब्त कर लिए थे। मामले की आगे जाँच जारी है।

हिमाचल में 74वां वन्यप्राणी सप्ताह शुरू : संरक्षण का लिया संकल्प, 83 बर्फानी तेंदुए दर्ज

शिमला, (द समर न्यूज़) - हिमाचल प्रदेश में 74वें वन्यप्राणी सप्ताह का विधिवत शुभारंभ पीसीसीएफ (वाइल्डलाइफ) अमिताभ गौतम ने वीरवार को किया। इस वर्ष का विषय मानव-जंतु सह-अस्तित्व (Human-Animal Co-existence) रखा गया है। कार्यक्रम की शुरुआत वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की गई, जिसमें 2 से 8 अक्तूबर तक चलने वाले आयोजनों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर प्रदेश में वन्यजीव संरक्षण का संकल्प लिया गया। गौतम ने कहा कि कई वन्य प्रजातियां तेजी से लुप्त हो रही हैं, जिन्हें बचाने के लिए विभाग के साथ-साथ आम लोगों को भी आगे आना होगा। उन्होंने बताया कि हिमाचल वाइल्डलाइफ विंग ने नेचर कंजर्वेशन फाउंडेशन, बैंगलुरू के सहयोग से "स्टेटस ऑफ स्नो लेपर्ड इन हिमाचल-2025" रिपोर्ट तैयार की है। इसमें प्रदेश के 26,112 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में किए गए अध्ययन के आधार पर हिमाचल में 83 बर्फानी तेंदुए दर्ज किए गए हैं। इस अध्ययन में हिमाचल में पहली बार दो नई प्रजातियों - वूल्ली फ्लाइंग स्क्विरेल (Woolly Flying Squirrel) और पल्लास कैट (Pallas Cat) - की भी पहचान हुई है।

रिपोर्ट का विमोचन : कार्यक्रम में "स्टेटस ऑफ स्नो लेपर्ड इन हिमाचल प्रदेश-2025" पुस्तिका का विमोचन किया गया। गौतम ने बताया कि हिमाचल प्रदेश का शीत मरुस्थल क्षेत्र स्पीति, हाल ही में यूनेस्को के मैन एंड बायोस्फेयर रिज़र्व नेटवर्क में शामिल हुआ है, जो प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

8 अक्तूबर तक होंगे कई कार्यक्रम : वन्यप्राणी सप्ताह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं और गतिविधियां आयोजित की जाएंगी - जैसे पेंटिंग, निबंध लेखन, फोटोग्राफी, भाषण, डिबेट, बर्ड वॉचिंग और छोटी पैदल यात्राएं। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि इस सप्ताह को प्रदेश के शिक्षण संस्थानों, महिला मंडलों, पंचायती राज संस्थाओं और सरकारी विभागों के सहयोग से व्यापक स्तर पर मनाया जाए। कार्यक्रम में सीएफ वाइल्डलाइफ प्रिति भंडारी, डीएफओ शिमला डॉ. शाह नवाज भट्ट, डीएफओ अनीता भारद्वाज, जाइका वानिकी परियोजना निदेशक श्रेष्ठा नंद शर्मा, एसीएफ विनोद रंटा समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर हमीरपुर में विशेष कार्यक्रम, अनुराग ठाकुर ने सरकार पर साधा निशाना

हमीरपुर, (द समर न्यूज) : हमीरपुर ज़िले के टौणीदेवी माता मंदिर परिसर में विजयदशमी के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की खंड इकाई द्वारा पारंपरिक शस्त्र पूजन एवं पथ संचालन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर और विधायक आशीष शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। आयोजन की अध्यक्षता बिलासपुर विभाग के कार्यवाहक सुनील कुमार ने की। उन्होंने बताया कि संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है और यह सभी स्वयंसेवकों के लिए गर्व का क्षण है। सांसद अनुराग ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 100 वर्षों की यात्रा केवल स्वयंसेवकों की नहीं, बल्कि देश की आत्मा, संस्कृति और राष्ट्रीय भावनाओं की यात्रा है। उन्होंने कहा कि 1925 में लगाया गया यह पौधा आज वटवृक्ष का रूप ले चुका है। अनुराग ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि संघ ने अनुशासन, सेवा, समर्पण और संगठन की ताकत से यह साबित किया है कि कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

प्रदेश सरकार पर हमला : कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में अनुराग ठाकुर ने प्रदेश सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जनता को टैक्स राहत देने का काम कर रही है जबकि प्रदेश सरकार टैक्स बढ़ाकर महंगाई का बोझ बढ़ा रही है। उन्होंने सीमेंट पर हाल ही में लगाए गए टैक्स का उदाहरण देते हुए कहा कि इससे जनता को और महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। आपदा राहत को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आपदा प्रबंधन में पूरी तरह विफल रही है और प्रभावित परिवारों तक बुनियादी सुविधाएँ तक नहीं पहुँचा पाई। साथ ही उन्होंने सरकार पर आपदा राहत राशि के वितरण में पक्षपात और बंदरबांट करने के आरोप लगाए।

कांग्रेस पर तीखा प्रहार : कांग्रेस के "वोट चोर, गाड़ी छोड़" अभियान पर प्रतिक्रिया देते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मुद्दों से भटककर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाकर जनता को गुमराह करने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रिमोट बटन दबाकर किया रावण दहन,प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

शिमला, संजू -राजधानी के ऐतिहासिक जाखू हनुमान मंदिर परिसर में गुरुवार को विजयदशमी के अवसर पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रिमोट कंट्रोल का बटन दबाकर रावण दहन किया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू श्याम 6:00 बजे ऐतिहासिक जाखू मंदिर पहुंचे और फिर 6:10 पर रावण कुंभकरण और मेघनाथ के पुतलों को रिमोट का बटन दबाकर दहन किया। इस बार विजयदशमी पर रावण के 45 फीट इसके साथ कुंभकर्ण और मेघनाद के 40 फीट ऊंचे पुतले बनाये गए थे।छह साल बाद दशहरा पर झांकियां भी निकाली गयी। कोरोनाकाल के दौरान इन्हें बंद कर दिया था। नाभा युवा मंडल के सदस्यों द्वारा झांकिया भी निकाली गई। इस मौके पर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में दशहरा धूमधाम से मनाया जा रहा है कुल्लू में दशहरा उत्सव का शुभारंभ आज माननीय राज्यपाल द्वारा किया गया है । बुराई पर अच्छाई की जीत का यह त्यौहार है हम सभी को बुराई को त्याग कर अच्छाई के रास्ते पर आगे बढ़ना है। सभी प्रदेशवासियों को दशहरा उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं ।

मुलर 35वां खिताब जीतकर जर्मनी के सबसे सफल खिलाड़ी बने

बर्लिन, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): वैंकूवर व्हाइटकैप्स के स्ट्राइकर थॉमस मुलर ने कहा कि अपने करियर का 35वां खिताब जीतने के बाद से उनके फोन की घंटी बजती ही रही है, जिससे वह जर्मन फुटबॉल इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी बन गए हैं। दोस्तों, पूर्व साथियों और रिश्तेदारों ने 36 वर्षीय इस खिलाड़ी को बधाई देने के लिए फोन किए, जिन्होंने बायर्न म्यूनिख के अपने पूर्व साथी टोनी क्रूस (34 खिताब जीतने वाले) को पीछे छोड़ दिया। दोनों ने 2014 फीफा विश्व कप साथ मिलकर जीता था। मुलर को सबसे हालिया उपलब्धि कैनेडियन चैंपियनशिप के साथ मिली, जब व्हाइटकैप्स ने फाइनल में वैंकूवर एफसी को 4-2 से हराकर कॉनकाकाफ चैंपियंस लीग में जगह पक्की की। उन्होंने अपने करियर का 300 वां गोल भी किया, जिसमें उन्होंने अपनी टीम के लिए दूसरा गोल पेनल्टी में बदला। इसके बाद, उन्होंने सुनहरे '300' से सजा एक छोटा सा केक भेंट करके इस उपलब्धि का जश्न मनाया। 13 सितंबर को अपने जन्मदिन के कुछ ही हफ़्ते बाद, मुलर ने मज़ाक में कहा कि अपने माता-पिता से मिलने के दौरान, 'मैंने उनसे कहा था, यह मैच का दिन है, जन्मदिन का नहीं।' अपने रिकॉर्ड जीत के बावजूद मुलर ने कहा कि वह खुद को 'खिताब संग्रहकर्ता' नहीं मानते। 'तुलना करना बेमानी है। कुछ ने चैंपियंस लीग ज़्यादा बार जीती है, तो कुछ ने ज़्यादा राष्ट्रीय खिताब।' उन्होंने क्रूस के छह चैंपियंस लीग खिताबों और उनके दो ख़िताबों का ज़िक्र करते हुए कहा, 'मैं मैदान पर भावनाओं के लिए खेलता हूं, खिताबों के लिए नहीं। मुझे इस बात की कद्र है कि हमने साबित कर दिया कि हम कनाडा की सर्वश्रेष्ठ टीम हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'आंकड़े ज़्यादा मायने नहीं रखते, मैं अपनी विरासत को बेहतर बनाने के लिए नहीं खेलता। मैं मैदान पर होने के आनंद के लिए खेलता हूँ। मुझे बस ख़िताबों का हम्सटर कह लीजिए।' मुलर 2025 की गर्मियों में बायर्न छोड़कर म्यूनिख के बाहर अपने पहले क्लब में शामिल हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व साथियों के संदेशों ने उन्हें 'इसका आनंद लेने और गोल करने' के लिए प्रेरित किया। और मैंने ऐसा ही किया। व्हाइटकैप्स के कोच जेस्पर सोरेनसेन ने इस फॉरवर्ड की उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए इसे 'किसी एक खिलाड़ी के लिए अद्वितीय' बताया। 2026 तक एमएलएस टीम के साथ अनुबंधित मुलर ने वादा किया कि उनका करियर अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'मैं हर मिनट का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रतिबद्ध हूँ। और शायद कुछ और पदक भी जीत सकूं।'

PoK में प्रदर्शनकारियों ने 25 पाकिस्तानी सैनिकों को बंधक बनाया

सेना के रास्ते बंद किए, आंदोलन में 10 लोगों की मौत, 100 घायल

मुजफ्फराबाद, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बुनियादी जरूरतों पर सब्सिडी कटौती का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों के 25 सैनिकों को बंधक बना लिया है। इन जवानों को मानव ढाल की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे सुरक्षा बल कोई सीधी कार्रवाई नहीं कर पा रहे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि खुफिया एजेंसियां आंदोलन को तोड़ने के लिए गुप्त हमले करा रही हैं। सादे कपड़ों में आए अज्ञात लोग नेताओं को निशाना बनाते हैं और भीड़ में अफरातफरी फैलाते हैं। चार दिन जारी इन प्रदर्शनों में अब तक 10 लोग मारे जा चुके हैं और 100 घायल हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कल बाघ जिले के धीरकोट में 4 लोग मारे गए, मुजफ्फराबाद में 2 और मीरपुर में 2 मौतें हुईं। ये प्रदर्शन जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी की अपील पर हो रहे हैं। प्रदर्शनकारी सरकार पर मौलिक अधिकारों की अनदेखी और महंगाई कंट्रोल न कर पाने का आरोप लगा रहे हैं। लोगों का हुजूम आज PoK की राजधानी मुजफ्फराबाद की तरफ मार्च कर रहा है। इन्होंने सरकार के सामने 38 मांगें रखी हैं, जिनमें PoK विधानसभा की 12 रिजर्व सीटें खत्म करने की मांग शामिल है। सरकार के सामने 38 मांगें रखी हैं, जिनमें 3 प्रमुख हैं, पाकिस्तान में बसे कश्मीरी शरणार्थियों के लिए बनी 12 विधानसभा सीटें खत्म करने की मांग, बिजली परियोजनाओं में लोकल लोगों के फायदे को ध्यान रखा जाए, आटे और बिजली के बिलों पर छूट देने की मांग, क्योंकि महंगाई से लोग परेशान हैं।

संदीप सरगर ने भारत को दिलाया स्वर्ण, रिंकू-सुंदर से प्रेरणा मिली

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में चल रही विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मंगलवार का दिन भारत के लिए यादगार रहा। महाराष्ट्र के संदीप संजय सरगर ने भाला फेंक F44 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर तिरंगा फहराया और देशवासियों को गर्व का अनुभव कराया। रिंकू और सुंदर की जीत से मिली हौसला-अफ़जाई सरगर ने कहा कि सोमवार को रिंकू और सुंदर सिंह गुर्जर द्वारा F46 वर्ग में स्वर्ण और रजत पदक जीतने का पल देखकर उन्हें भी उत्साह और आत्मविश्वास मिला। उन्होंने बताया, "मैं कल माहौल समझने आया था। दर्शकों का उत्साह, प्रोत्साहन और जोश मुझे आज जीत दिलाने में मददगार साबित हुआ।" बारिश और ठंड के बावजूद चमकी काबिलियत दिल्ली में दोपहर में अचानक हुई भारी बारिश और ठंड ने प्रतियोगियों के लिए चुनौती पैदा की। लेकिन सरगर ने हार नहीं मानी और अपने पांचवें प्रयास में 62.82 मीटर का उत्कृष्ट थ्रो किया। इससे पहले उनका 62.68 मीटर का थ्रो उन्हें बढ़त दिला चुका था। राजस्थान के संदीप चौधरी ने 62.67 मीटर फेंककर कड़ी चुनौती पेश की, मगर सरगर ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा जमाया। डिलीवरी बॉय से विश्व विजेता तक का प्रेरक सफर आज जिस एथलीट को पूरा भारत सलाम कर रहा है, वही सरगर कभी पुणे में जोमैटो डिलीवरी बॉय के रूप में काम करते थे। परिवार और दोस्त स्टेडियम में मौजूद नहीं थे, फिर भी उन्होंने अकेले दम पर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भावुक होकर उन्होंने कहा, "स्टैंड में मेरा कोई नहीं था, लेकिन मैंने देश और खुद को प्रेरणा मानकर खेला। पदक जीतकर सपने साकार हुए।" भारत का तीसरा स्वर्ण, सफलता की कहानी जारी सरगर का यह पदक इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा स्वर्ण पदक है। इसके बाद सुमित ने F64 वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया। लगातार मिल रही इन सफलताओं ने साबित कर दिया है कि मेहनत, जूनून और आत्मविश्वास के सामने कोई चुनौती बड़ी नहीं होती।

पंजाबी परिवार को आस्ट्रेलिया छोड़ने के आदेश

मेलबोर्न, 2 अक्तूबर (ब्यूरो): आस्ट्रेलियाई इमिग्रेशन नीतियों की सख्ती के कारण मेलबोर्न के विंडरम वेल क्षेत्र में रह रहे एक पंजाबी परिवार को नवम्बर तक देश छोड़ने के आदेश दिए गए हैं। अमनदीप कौर स्टिवन सिंह 2009 में आस्ट्रेलिया आए थे। वह पिछले कई वर्षों से अस्थाई वीजा पर यहां अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं और कई बार पक्के आवास के लिए आवेदन कर चुके हैं परंतु सरकारी अधिकारियों ने उनके सभी प्रयास रद्द करते हुए अब इस परिवार को वापस भारत जाने का आदेश जारी कर दिया है। इस फैसले से उनके 12 वर्षीय बेटे अभिजोत सिंह का भविष्य सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहा है। अभिजोत आस्ट्रेलिया में जन्मा है और आस्ट्रेलियाई नागरिकता रखता है। वह स्थानीय स्कूल में पढ़ता है और अपने दोस्तों, अध्यापकों व यहां की जिंदगी से गहरा रिश्ता जोड़ चुका है। मानवाधिकारों के विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला मात्र इमिग्रेशन नीति का नहीं बल्कि बच्चे के अधिकारों का भी है। बच्चे को अपने अभिभावकों के साथ रहने का अधिकार है और सरकारी फैसले से यह अधिकार खतरे में है। फिलहाल परिवार कानूनी विशेषज्ञों के साथ विचार-विमर्श कर रहा है ताकि इस फैसले के खिलाफ कोई आखिरी रास्ता निकाला जा सके।

मीराबाई चानू नेतृत्व में भारतीय दल नॉर्वे में विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 में भाग लेगा

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): भारत की स्टार भारोत्तोलक और ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू 2 से 11 अक्टूबर तक नॉर्वे के फोर्ड में होने वाली विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2025 में 14 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। 31 वर्षीय मीराबाई हाल ही में पेरिस 2024 के बाद अगस्त में राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में 48 किग्रा वर्ग का स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी कर चुकी हैं। अनुभव और उपलब्धियों की धनी है मीराबाई 2017 अनाहेम वर्ल्ड चैंपियनशिप (48 किग्रा) - स्वर्ण पदक 2022 बोगोटा वर्ल्ड चैंपियनशिप (49 किग्रा) - रजत पदक उनसे इस बार भी शानदार प्रदर्शन की उम्मीदें होंगी। भारतीय दल की झलक महिला दलः मीराबाई चानू (48 किग्रा), कोयल बार (53 किग्रा), बिंद्यारानी देवी (58 किग्रा) निरुपमा देवी (63 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), वंशिता वर्मा (86 किग्रा), महक शर्मा (86 किग्रा+) पुरुष दलः ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), मुथुपंडी राजा (65 किग्रा), अजित नारायण (71 किग्रा), अजय बाबू वल्लूरी (79 किग्रा), अभिषेक निपाने (88 किग्रा), दिलबाग सिंह (94 किग्रा), लवप्रीत सिंह (110 किग्रा+), हालिया सफलताएं : बिंद्यारानी देवी, निरुपमा देवी और महक शर्मा ने अगस्त में राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में रजत जीता। हरजिंदर कौर और वंशिता वर्मा ने कांस्य पदक हासिल किया। पुरुष वर्ग में लवप्रीत सिंह (राष्ट्रमंडल कांस्य पदक विजेता) टीम की अगुवाई करेंगे। वहीं, अजित नारायण और अजय बाबू वल्लूरी ने हाल ही में स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

लियोनल मेसी ने की भारत की तारीफ

कहा- भारत एक जुनूनी फुटबॉल राष्ट्र, मेसी ने दौरे की पुष्टि की

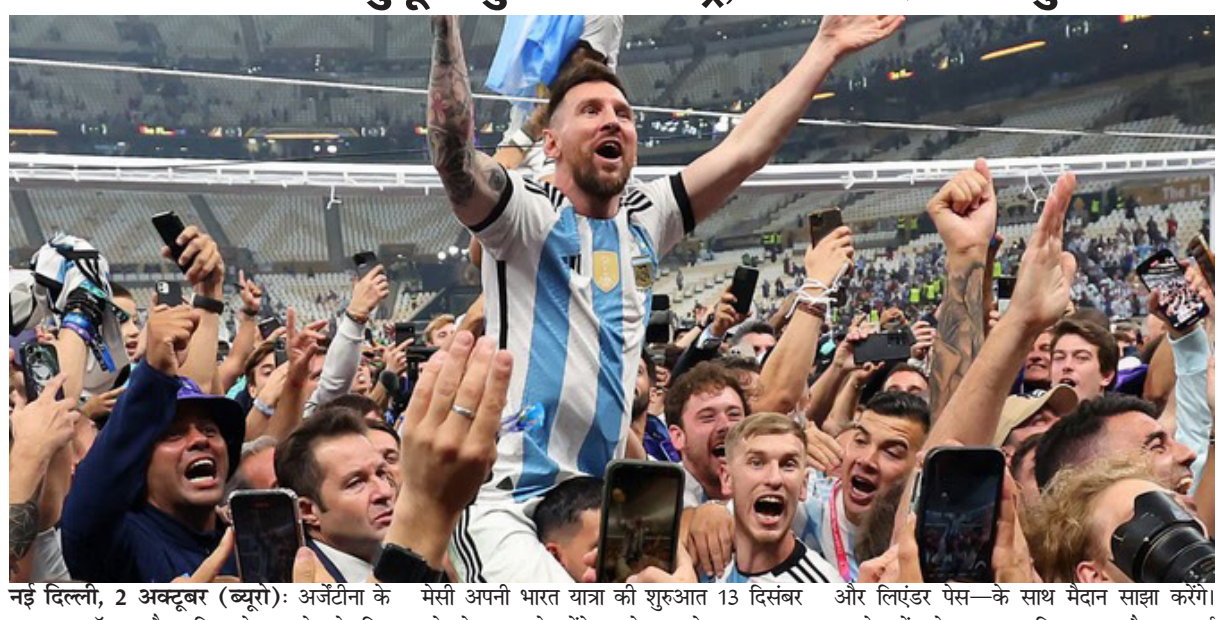

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर और दुनिया के सबसे लोकप्रिय खिलाड़ियों में शुमार लियोनल मेसी ने गुरुवार को भारत दौरे की पुष्टि कर दी है। इस ऐलान के साथ ही भारतीय फैंस में खुशी की लहर दौड़ गई है। मेसी ने कहा कि भारत जैसे फुटबॉल-प्रेमी देश में दोबारा खेलना उनके लिए सम्मान की बात होगी। मेसी इससे पहले 2011 में भारत आए थे, जब उन्होंने कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में वेनेजुएला के खिलाफ एक मैत्री मैच में अर्जेंटीना की कप्तानी की थी। उस दौरे की यादों को ताजा करते हुए उन्होंने कहा, "भारत एक विशेष देश है। 14 साल पहले यहां की यादें आज भी मेरे साथ हैं। भारत एक जुनूनी फुटबॉल राष्ट्र है और मैं नई पीढ़ी के फैंस से मिलने के लिए बेहद उत्साहित हूं।" चार शहरों का दौरा, पीएम मोदी से मुलाकात मेसी अपनी भारत यात्रा की शुरुआत 13 दिसंबर को कोलकाता से करेंगे। इसके बाद वे अहमदाबाद, मुंबई और नई दिल्ली जाएंगे। उनकी यात्रा का समापन 15 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के साथ होगा। इस दौरान मेसी कई कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे, जिनमें कॉन्सर्ट, फूड फेस्टिवल, फुटबॉल मास्टरक्लास, फैंस से मुलाकात के सत्र और यहां तक कि मुंबई के ब्रेबॉर्न स्टेडियम में एक पैडल प्रदर्शनी भी शामिल है।

कोलकाता का सॉल्ट लेक स्टेडियम बनेगा गवाह कोलकाता में मेसी का मुख्य कार्यक्रम सॉल्ट लेक स्टेडियम में होगा, जहां वे 13 दिसंबर को "जीओएटी कॉन्सर्ट" और "जीओएटी कप" का हिस्सा बनेंगे। इस मौके पर मेसी भारतीय खेल जगत की नामचीन हस्तियों-सौरव गांगुली, बाईचुंग भूटिया और लिएंडर पेस—के साथ मैदान साझा करेंगे। आयोजकों ने बताया कि इस दौरान दुर्गा पूजा उत्सव के मौके पर मेसी का 25 फुट ऊंचा भित्ति चित्र और अब तक की सबसे बड़ी मूर्ति का अनावरण भी किया जाएगा।

टिकटों की कीमत और सांस्कृतिक रंग इस दौरे के कार्यक्रमों के लिए टिकटों की शुरुआती कीमत 3,500 रुपये तय की गई है। आयोजक शतद्रु दत्ता ने बताया कि इस यात्रा में भारतीय और अर्जेंटीना की संस्कृति का अनूठा संगम पेश किया जाएगा। मेसी के इस दौरे ने भारतीय फुटबॉल प्रेमियों में उत्साह और जोश भर दिया है। 14 साल बाद भारत की धरती पर एक बार फिर इस महान खिलाड़ी का खेल और व्यक्तित्व देखने का मौका मिलेगा।

ब्रिटेन में यहूदी प्रार्थना स्थल के बाहर चाकूबाजी, 2 की मौत

ब्रिटेन, 2 अक्टूबर (ब्यूरो): ब्रिटेन के मैनचेस्टर में गुरुवार को एक यहूदी प्रार्थना स्थल (सिनागॉग) के बाहर कार से हमला और चाकूबाजी की घटना हुई। इस हमले में चार लोग घायल हो गए, जिसमें दो की मौत हो गई। पुलिस को सुबह 9:31 बजे खबर मिली कि क्रम्प्सल इलाके में कुछ लोगों पर कार चढ़ाई गई और एक इंसान को चाकू मारा गया। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमलावर को गोली मार दी। मैनचेस्टर के मेयर एंडी बर्नहैम ने कहा कि हमलावर की शायद मौत हो गई है, लेकिन पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की। मेयर बर्नहैम ने लोगों से उस इलाके में न जाने की यह हमला हेटन पार्क हिब्रू सिनागॉग के बाहर हुआ, जब यहूदी लोग योम किप्पुर त्योहार पर प्रार्थना के लिए इकट्ठा थे। इस दिन लोग अपने पिछले गलत कामों के लिए माफी मांगते हैं और प्रार्थना करते हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने इस हमले को बेहद डरावना बताया और पुलिस की तारीफ की। स्टार्मर डेनमार्क से जल्दी लौट रहे हैं ताकि ब्रिटेन की इमरजेंसी कोबरा टीम के साथ बैठक कर सकें। उन्होंने X पर लिखा- यह हमला योम किप्पुर जैसे पवित्र दिन पर हुआ, जो इसे और भी भयानक बनाता है। मेरी संवेदनाएं घायलों के परिवारों के साथ हैं।